mediaauditornews@gmail.com mediaauditor Epaperdainikmediaauditor.in mediaauditor वर्ष-28 अंक-331 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

रीवा

02 दिसंबर 2024 सोमवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

रीवा, सतना से एक साथ प्रकाशित

हेज़लवुड के एडिलेड...

@ पेज 7

संभल के बाद बदायूं की मस्जिद पर मंदिर का दावा

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के संभल जिले में बीते दिनों जामा मस्जिद के सर्वे के दौरान हुई हिंसा का मामला अभी थमा भी नहीं था कि अब बदायूं जिले में स्थित शम्सी जामा मस्जिद को लेकर विवाद शुरू हो गया है। हिंदू पक्ष ने यहां नीलकंठ महादेव मंदिर होने का दावा कर दिया है। ये मामला अब कोर्ट पहुंच गया है। इस मामले को लेकर राजनीति शुरू हो गई है। मामले में असदुद्दीन ओवैसी ने जोरदार हमला बोलते हुए अपना पक्ष रखा है। ऑल इंडिया मुस्लिम जमात के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना मुफ्ती शहाबुद्दीन रजवी बरेलवी का भी बयान आ गया है। उन्होंने बताया कि बदायूं की शम्सी जामा मस्जिद का निर्माण सूफी विचारक और बादशाह शमशुद्दीन अल्तमश ने 1223 ईसवीं में कराया था। ब्रिटिश शासन काल के इतिहास में भी इसका जिक्र है। उन्होंने पीएम मोदी से कहा कि इस पर पहल करते हुए रोक लगाए, वरना देश के हालात बहुत खराब हो जाएंगे। मौलाना मुफ्ती शहाबुद्दीन रजवी बरेलवी ने बताया कि हिंदुस्तान के सूफी विचारक बादशाह शमशुद्दीन अल्तमश जब बदायूं आए थे, तब उन्होंने यहां पर

- **मौलाना बोले,हालात बहुत खराब हो जाएंगे,मोदीजी रोक लो**

अल्लाह की इबादत करने के लिए एक मस्जिद तालीम करने का फैसला लिया था। शमशुद्दीन अल्तमश ने 1223 ईसवीं में जामा मस्जिद का निर्माण कराया था। जिसका शम्सी जामा मस्जिद रखा गया था। जिसे आज भी इसी नाम से जाना जाता है। मौलाना ने बताया कि ब्रिटिश शासन काल इतिहास 1856 में भी शम्सी जामा मस्जिद बदायूं के नाम से दर्ज है। मौलाना मुफ्ती शहाबुद्दीन ने बताया कि यहां पर कभी भी मंदिर या मूर्ति होने का कोई सबूत नहीं है। इसको लेकर जो दावे किए जा रहे हैं, वो झूठ है और हकीकत के खिलाफ है। ये दावे इतिहास के खिलाफ है। उन्होंने कहा कि हमें अफसोस इस बात का है कि जो हिंदुस्तान गंगा जमुना तहजीब के नाम से जाना जाता था, हिंदू-मुस्लिम भाई चारे की बात कही जाती थी लेकिन अब यहां फिरकापरस्त लोगों की नजरें लग गई है। अब साम्प्रदायिक मामलों को उभारा जा रहा है। ये लोग कौन है और पता नहीं देश में क्या चाहते हैं। मौलाना ने कहा कि पहले बहराइच में दंगा हुआ और बाद में संभल में जामा मस्जिद के सर्वे के नाम पर साम्प्रदायिक दंगा हो चुका है।

संक्षिप्त समाचार

पंजाब में ग्रीनफील्ड पठानकोट हाईवे के लिए मिलेंगे 666.81 करोड़

- **जम्मू-कश्मीर जाने वाले लोगों को फायदा,1 घंटे का सफर 20 मिनट में होगा**

चंडीगढ़ (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने पंजाब में ग्रीनफील्ड पठानकोट लिंक रोड के निर्माण के लिए 666.81 करोड़ रुपए मंजूर किए हैं। 12.34 किलोमीटर लंबी यह सड़क एनएच-44 पर स्थित तलवाड़ा जट्टां गांव को दिल्ली-अमृतसर-कटरा एक्सप्रेसवे पर स्थित गोबिंदसर गांव से जोड़ेगी। यह जानकारी खुद केंद्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने

सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर पोस्ट करके दी है। उन्होंने लिखा है कि हमने हाईवे के लिए राशि मंजूर कर दी है। इस हाईवे के बनने के बाद एक घंटे का सफर महज 20 मिनट में पूरा हो जाएगा। साथ ही पठानकोट के लोगों को ट्रैफिक जाम से राहत मिलेगी। इससे लोगों का सफर आसान हो जाएगा। पठानकोट लिंक रोड 4/6 लेन का होगा। यह एनएच-44 (दिल्ली-श्रीनगर), एनएच-54 (अमृतसर-पठानकोट) और जम्मू-कश्मीर में निर्माणाधीन दिल्ली अमृतसर-कटरा एक्सप्रेस वे (पैकेज 14) के बीच एक महत्वपूर्ण कनेक्टर के रूप में काम करेगा।

गौतम अडाणी बोले

साहसिक सपने देखने पर दुनिया परीक्षा लेती है

- **चुनौतियां हमें कभी तोड़ नहीं पाईं,बल्कि उन्होंने और मजबूत बनाया**

जयपुर (एजेंसी)। अडाणी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडाणी ने हिंडनबर्ग विवाद और अमेरिका में लगे रिश्वत देने के आरोपों पर पहली बार सार्वजनिक बयान दिया। उन्होंने कहा, अडाणी ग्रुप के रास्ते में आई हर बाधा उसकी सफलता की सीढ़ी बनी है। आपके सपने जितने बड़े होंगे, दुनिया उतनी ज्यादा आपकी परीक्षा लेती है। उन्होंने कहा कि चुनौतियां हमें कभी तोड़ नहीं पाई, बल्कि

उन्होंने हमें और मजबूत बनाया। हमारे अंदर ये भरोसा बढ़ाया कि हर गिरावट के बाद हम और मजबूत तरीके से ऊपर उठेंगे। गौतम अडाणी शनिवार शाम को जयपुर में 51वें इंडिया जेम्स एंड ज्वेलरी अवॉर्ड समारोह में बोल रहे थे। साल 2010 में जब हमने ऑस्ट्रेलिया में कोल माइनिंग शुरू की थी, तो हमारा उद्देश्य था कि हमें भारत को एनर्जी सेक्टर में और मजबूत करना है। हमारा उद्देश्य था कि भारत में होने वाले 2 टन खराब कोयले को ऑस्ट्रेलिया से 1 टन अच्छी क्वालिटी के कोयले से रिप्लेस करेंगे। हालांकि गैर सरकारी संगठनों ने इसका बहुत ज्यादा विरोध किया और ये 10 साल तक चला।

महाराष्ट्र में आज हो जाएगा सीएम के चेहरे का ऐलान

शिंदे ने कहा-महायुति में कोई मतभेद नहीं,आराम करने गांव आया था

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में नतीजे आए 8 दिन हो गए हैं लेकिन मुख्यमंत्री के चेहरे का आधिकारिक ऐलान बाकी है। शपथ ग्रहण समारोह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मौजूदगी में 5 दिसंबर को शाम 5 बजे मुंबई के आजाद मैदान में होगा। महायुति सरकार में मंत्रालय बंटवारे को लेकर पेंच फंसा है। दिल्ली में बैठक करके लौटे एकनाथ शिंदे सभी कार्यक्रम रद्द कर अचानक 29 नवंबर को सतारा स्थित पैतृक गांव चले गए थे। एक दिन बाद उनकी तबीयत बिगड़ गई थी। रविवार को शिंदे ने अपने गांव सतारा में प्रेस कांफ्रेंस करके कहा, मैं अब ठीक हूं। व्यस्त चुनावी कार्यक्रम के बाद मैं यहां आराम करने आया था। महायुति में कोई मतभेद नहीं है। मेरा पूरा समर्थन है। सीएम पर फैसला पीएम मोदी और अमित शाह लेंगे। इस दौरान उनसे गृह मंत्रालय पर चल रही खींचतान को लेकर तीन बार सवाल किया गया। शिंदे ने कोई जवाब नहीं दिया। 3 दिसंबर को भाजपा विधायक दल की बैठक होगी। हालांकि शिंदे ने कहा है कि 2 दिसंबर को सीएम तय हो जाएगा। दिल्ली से दो ऑब्जर्वर मुंबई आएंगे और विधायकों से चर्चा के बाद आधिकारिक रूप से सीएम फेस अनाउंस करेंगे। वहीं, डिप्टी सीएम अजित पवार ने शनिवार को कहा- सीएम भाजपा का होगा, यह तय हो गया है और शिवसेना-एनसीपी से 1-1 डिप्टी सीएम होगा।

देवेंद्र फडणवीस का नाम सबसे आगे

इससे पहले शपथ ग्रहण समारोह की तारीख घोषित करते हुए महाराष्ट्र बीजेपी के अध्यक्ष चन्द्रशेखर बावन कुले ने कहा कि महाराष्ट्र का नया सीएम 5 दिसंबर को शाम 5 बजे शपथ लेगा। इस समारोह का आयोजन मुंबई के प्रतिष्ठित आजाद मैदान में किया जाएगा। उन्होंने अपनी पोस्ट में कहा कि इस समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी उपस्थित रहेंगे। महाराष्ट्र में मुख्यमंत्री पद को लेकर संशय बना हुआ है। अभी तक भाजपा या महायुति की किसी और पार्टी की तरफ से किसी नाम का ऐलान नहीं किया गया है लेकिन भाजपा सूत्रों के मुताबिक देवेंद्र फडणवीस का नाम सबसे आगे है। फडणवीस दो बार मुख्यमंत्री रह चुके हैं और वह कार्यवाहक मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली निवर्तमान सरकार में उपमुख्यमंत्री थे। वहीं कार्यवाहक मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने भी कुछ समय पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस करके कहा था कि भाजपा का शीर्ष नेतृत्व जो भी फैसला लेगा वह उन्हें मंजूर होगा।

हरियाणा में नेता विपक्ष तय नहीं कर पा रही कांग्रेस

- **प्रदेश में नेताओं के आपसी टकराव में उलझी है पार्टी**

चंडीगढ़ (एजेंसी)। हरियाणा के विधानसभा चुनाव में हार के बाद भी कांग्रेस के भीतर गुटबाजी खत्म नहीं हो रही है। कांग्रेस की हार की प्रमुख वजह गुटबाजी को ही माना गया था और अब इसी गुटबाजी के कारण हरियाणा में नेता विपक्ष कौन

होगा, पार्टी इसका फैसला नहीं कर पा रही है। हरियाणा में 8 अक्टूबर को चुनाव नतीजे आए थे और तब से अब तक डेढ़ महीने से ज्यादा का वक्त गुजर चुका है लेकिन कांग्रेस इसी उलझन में है कि हरियाणा में इस बड़े पद पर कौन सा नेता बैठेगा। इसे लेकर पार्टी की अच्छी-खासी किरकिरी भी हो रही है। इस बीच नायब सिंह सैनी सरकार ने पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा से कहा है कि वह जिस सरकारी आवास में रह रहे हैं, उसे खाली कर दें। भूपेंद्र सिंह हुड्डा चंडीगढ़ के सेक्टर 7 में स्थित कोठी नंबर 70 में रहते हैं।

जय शाह ने आईसीसी चेयरमैन का पद संभाला

36 साल के जय शाह अब तक के सबसे युवा चीफ

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के सचिव जय शाह ने इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल यानी आईसीसी का चेयरमैन पद संभाल लिया है। न्यूजीलैंड के ग्रेग बार्कले की जगह लेने वाले 36 साल के जय शाह आईसीसी के सबसे कम उम्र के चेयरमैन बन गए हैं। आईसीसी ने सोशल मीडिया पोस्ट में इस बात की जानकारी दी। संस्था ने रविवार को लिखा- आईसीसी चेयरमैन के तौर पर जय शाह का कार्यकाल शुरू होने के साथ ग्लोबल क्रिकेट का नया चैप्टर शुरू हुआ है। पद संभालने के बाद शाह ने अपने पहले बयान में कहा कि क्रिकेट के अलग-अलग फॉर्मेट्स को बढ़ावा मिले और महिला क्रिकेट में और तेजी लाना हमारी प्राथमिकता है। शाह ने कहा, आईसीसी अध्यक्ष की भूमिका के लिए चुने जाने पर डायरेक्टर्स और मेंबर बोर्ड्स के समर्थन और भरोसे के लिए आभारी हूं। ग्लोबल क्रिकेट में अपार संभावनाएं हैं और मैं हर मौके पर खेल को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए आईसीसी टीम और सदस्य देशों के साथ काम करने के लिए उत्सुक हूं। शाह ने कहा, यह रोमांचक समय है क्योंकि हम 2028 के लॉस एंजिलिस ओलिंपिक की तैयारी कर रहे हैं और दुनियाभर के फैंस के लिए क्रिकेट को ज्यादा आकर्षक बनाने के लिए काम कर रहे हैं। हम कोशिश करेंगे कि वे खेल से जुड़ाव महसूस करें। ग्रेग बार्कले का कार्यकाल 30 नवंबर को खत्म हुआ था। नेशन फाइल करने की आखिरी तारीख मंगलवार, 27 अगस्त तक जय के अलावा किसी और ने नॉमिनेशन नहीं भरा था।

- **कहा-महिला क्रिकेट को बढ़ावा देने के लिए काम करेंगे**

कम से कम 3 बच्चे होने चाहिए

- **घटती जनसंख्या पर संघ प्रमुख मोहन भागवत ने जताई चिंता**

नागपुर (एजेंसी)। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने जनसंख्या गिरावट पर चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि घटती जनसंख्या चिंता का विषय है। भागवत ने कहा कि आधुनिक जनसंख्या विज्ञान के अनुसार 2.1 से कम फर्टिलिटी रेट वाली समाज खुद ही खत्म हो जाती है।

उन्होंने कहा कि कई भाषाएं और समाज इसी वजह से खत्म हो गए। उन्होंने जोर दिया कि जनसंख्या 2.1 से कम नहीं होनी चाहिए। उन्होंने भारत की जनसंख्या नीति का भी जिक्र किया, जो 1998 या 2002 में तय हुई थी। इस नीति में भी यही बात कही गई है कि जनसंख्या 2.1 से कम नहीं होनी चाहिए। भागवत ने कहा कि जनसंख्या विज्ञान के अनुसार दो या तीन से ज़्यादा बच्चे होने चाहिए।

उन्होंने संख्या के महत्व पर जोर दिया, ताकि समाज बचा रहे।

- **कहा-2.1 से कम फर्टिलिटी रेट वाली समाज खत्म हो जाती है**

मोहन भागवत ने आधुनिक जनसंख्या विज्ञान का हवाला देते हुए बताया कि 2.1 से कम फर्टिलिटी रेट वाले समाज विलुप्त हो जाते हैं। ऐसे समाज बिना किसी संकट के भी नष्ट हो जाते हैं। उन्होंने कहा कि जनसंख्या में गिरावट चिंता का विषय है। आधुनिक जनसंख्या विज्ञान कहता है कि जब किसी समाज की जनसंख्या (प्रजनन दर) 2.1 से नीचे चली जाती है, तो वह समाज पृथ्वी से गायब हो जाता है।

हमारे देश की जनसंख्या नीति 1998 या 2002 में तय हुई थी। लेकिन इसमें यह भी कहा गया है कि किसी समाज की जनसंख्या 2.1 से कम नहीं होनी चाहिए। हमें दो या तीन से अधिक की आवश्यकता है, यही जनसंख्या विज्ञान कहता है। बयान ऐसे समय में आया है जब जनसंख्या कम की बात हो रही है।

हिंदू और तिरंगे के सम्मान में, अब डॉक्टर मैदान में

कोलकाता में बांग्लादेशी मरीजों के इलाज से किया इनकार

कोलकाता (एजेंसी)। बांग्लादेश में हिंदुओं पर लगातार हो रहे हमलों के बीच पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता में कुछ डॉक्टरों ने बड़ा फैसला किया है। उन्होंने बांग्लादेश से आने वाले मरीजों का इलाज करने से इनकार कर दिया है। कोलकाता के माणिकतला स्थित जेएन रे अस्पताल ने बांग्लादेशी मरीजों के इलाज पर रोक लगाने का फैसला किया है। यह निर्णय बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों पर कथित अत्याचार और भारतीय ध्वज के अपमान को लेकर जारी विरोध प्रदर्शन के बीच लिया गया है। अस्पताल के एक अधिकारी सुभ्रांशु भक्त ने शुक्रवार को समाचार एजेंसी पीटीआई को बताया, हमने एक नोटिस जारी किया है कि आज से अनिश्चितकालीन समय तक हम किसी भी बांग्लादेशी मरीज को इलाज के लिए भर्ती नहीं करेंगे। यह निर्णय मुख्य रूप से उनके द्वारा भारत के प्रति दिखाए गए अपमानजनक व्यवहार के कारण लिया गया है। अस्पताल प्रशासन ने कोलकाता के अन्य स्वास्थ्य संस्थानों से भी इस तरह के कदम उठाने की अपील की है।

बांग्लादेशी मरीज झंडे को सलाम करें, तभी इलाज होगा

बांग्लादेश में हिंदुओं पर लगातार हो रहे हमले के विरोध में पश्चिम बंगाल में कुछ डॉक्टरों ने बांग्लादेशी मरीजों का इलाज करने से इनकार कर दिया है। सिलीगुड़ी में डॉक्टर शेखर बंदोपाध्याय ने अपने प्राइवेट क्लिनिक में तिरंगा लगाया है। डॉक्टर ने झंडे के साथ मैसेज में लिखा- भारत का राष्ट्रीय ध्वज हमारी मां की तरह है। कृपया चैंबर में एंट्री करने से पहले तिरंगे को सलाम करें। खासकर बांग्लादेशी मरीज, अगर वे सलाम नहीं करते हैं, तो उन्हें अंदर आने नहीं दिया जाएगा।

चीन ने रूस के साथ मिलकर जापान को डराया

- **पहली बार सीमा के पास उड़ाया परमाणु बॉम्बर,क्षेत्र में तनाव**

मास्को/टोक्यो/बीजिंग (एजेंसी)। चीन और रूस की वायुसेना ने शुक्रवार को जापान सागर में संयुक्त हवाई गश्त लगाया है। साल 2019 से शुरू हुआ यह हवाई अभ्यास 9वीं बार हुआ है। हालांकि इस बार चीन ने पहली बार अपने बेहद शक्तिशाली परमाणु बॉम्बर को भेजकर दुनिया को दहशत में डाल दिया है। चीन के सरकारी अखबार ग्लोबल टाइम्स के मुताबिक रूस ने इस गश्त के लिए अपने बॉम्बर को भेजा था। चीन के रक्षा मंत्रालय ने दावा किया है कि यह परमाणु बॉम्बर की गश्त किसी तीसरे देश को ध्यान में रखकर अंजाम नहीं दी गई है। यह जापान-दक्षिण कोरिया को संदेश है।

नहीं थम रही हिमंता और सोरेन के बीच अदावत

गुवाहाटी (एजेंसी)। झारखंड चुनाव प्रचार के दौरान असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने हेमंत सोरेन पर खूब निशाना साधा था लेकिन चुनावी नतीजे के बाद अब भी दोनों नेताओं के बीच खींचतान जारी है। हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि वह झारखंड में कुछ चीजों का अध्ययन करने के लिए दो प्रतिनिधिमंडल भेजेंगे। इससे पहले हेमंत सोरेन ने असम में टी ट्राइब्स की दुर्दशा का अध्ययन करने के लिए एक सर्वदलीय टीम भेजने का कैबिनेट निर्णय लिया था। हालांकि हिमंत बिस्वा सरमा ने झारखंड में टीम भेजने का निर्णय लेने के लिए असम सरकार के लिए चिंता के क्षेत्रों का जिक्र नहीं किया। बिस्वा सरमा ने कहा, 5 दिसंबर को हमारी कैबिनेट में हम झारखंड के कुछ इलाकों के दौरे को लेकर कुछ फैसले लेंगे। हम भी जाएंगे और वहां दो-तीन चीजें देखेंगे। 28 नवंबर को जेएमएम नेता हेमंत सोरेन के झारखंड के 14वें मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने के कुछ घंटों बाद ही उनकी सरकार ने असम में कथित तौर पर हाशिए पर चाय जनजातियों की दुर्दशा का अध्ययन करने के लिए एक पैनल के गठन को मंजूरी दे दी थी।

- **झारखंड में 'स्टडी' के लिए दो टीमें भेजेंगे असम सीएम**

राज्यपाल अखिल भारतीय गुजराती समाज के शपथ विधि कार्यक्रम में शामिल हुए

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा है कि गुजराती देश-दुनिया का विशिष्ट समाज है, जो जहां भी जाते है वसुधैव परिवार, वैदिक संस्कृति की भावना के साथ संगठित रहता है। सामुदायिक रूप से एकजुट होकर एक-दूसरे के सुख-दुख को साझा करता है। इसी लिए कहा भी जाता है कि जहां बसे गुजराती, वहाँ बसे गुजरात। इस उक्ति को चरितार्थ करने का कार्य अखिल भारतीय गुजराती समाज संगठन करता है। उन्होंने कहा कि संगठन द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों और गतिविधियों के द्वारा भावी पीढ़ी को गुजराती संस्कृति और परंपराओं से जोड़ने का कार्य बड़ी जिम्मेदारी है। इस महत्वपूर्ण संगठन के निर्विरोध प्रमुख बनने पर भोपाल गुजराती समाज के अध्यक्ष संजयभाई पटेल को बधाई दी।

राज्यपाल श्री पटेल अखिल भारतीय गुजराती समाज द्वारा आयोजित शपथ विधि कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम का आयोजन गुजराती भवन भोपाल में किया गया था। राज्यपाल श्री पटेल का समाज की ओर से स्मृति चिन्ह और शॉल से अभिनंदन किया गया। राज्यपाल और अतिथियों ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। राज्यपाल श्री पटेल ने कार्यक्रम में समाज के राज्य प्रमुख/ राष्ट्रीय पदाधिकारियों का सम्मान किया। उपस्थित जनों को अनुशासित जीवन अभियान की शपथ ग्रहण कराई। राज्यपाल श्री पटेल ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि मुझे बहुत खुशी हो रही है कि कार्यक्रम मातृभाषा गुजराती में संचालित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि समाज के संगठन का दायित्व अधिकारिता का कार्य नहीं, जवाबदारी की जिम्मेदारी है। सबको साथ लेकर चलने का कार्य है। उन्होंने अखिल भारतीय गुजराती समाज के नव निर्वाचित प्रमुख श्री पटेल के समाज के संगठनात्मक गतिविधियों में सबके साथ और विश्वास से कार्य करने की शैली की सराहना की। संगठन में खजांची और महामंत्री के रूप में अनुभव और कार्यों का उल्लेख करते हुए। अखिल भारतीय गुजराती समाज के सदस्यों को संगठन के प्रमुख के रूप में योग्य व्यक्ति के चयन के लिए बधाई दी।

अंतर्राष्ट्रीय स्तर के कन्वेंशन सेंटर के रूप में होगा केबीटी कन्वेंशन सेंटर का उन्नयन -राज्य मंत्री लोधी

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। पर्यटन, संस्कृति और धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री धर्मेंद्र भाव सिंह लोधी ने बताया कि केंद्रीय पर्यटन मंत्रालय भारत सरकार ने कुशाभाऊ ठाकरे अंतर्राष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर के अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर माइस के रूप में उन्नयन और ओरछा में पर्यटन अधोसंरचनाओं और सुविधाओं के विकास के लिए 200 करोड़ रुपए स्वीकृत किए है। केंद्र से प्राप्त राशि से केबीटी कन्वेंशन सेंटर में बैंक्वेट हॉल, देश की कला और संस्कृति को प्रदर्शित करने के लिए एग्जिबिशन एरिया, बिजनेस सेंटर, बैंक्वेट हॉल सहित आधुनिक तकनीक से युक्त सर्व सुविधाओं का विकास किया जाएगा। भोपाल में स्ब्रुष्टश्व के विकास के लिए ? 99.38 करोड़ राशि स्वीकृत हुई है। राज्य मंत्री श्री लोधी ने बताया कि ओरछा में पर्यटन सुविधाओं के विकास के साथ प्रवेशद्वारों का संरक्षण एवं पुलों का जीर्णोद्धार, मंदिर/स्मारकों का संरक्षण और संग्रहालयों का विकास भी किया जाएगा। ओरछा को ? 99.92 करोड़ रुपए स्वीकृत किए गए है। यह राशि पूंजी निवेश के लिए राज्यों को विशेष सहायता योजना 2024-25 के अंतर्गत जारी की गई है।

बाघ का रेस्क्यू कर उपचार के लिये वन विहार भोपाल लाया जा रहा है

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। उमरिया जिले के बाधवगढ़ टाइगर रिजर्व में पांच दिनों से खोजे जा रहे वयस्क नर बाघ का क्षेत्र संचालक डॉ. अनुपम सहाय के मार्गदर्शन में और उप संचालक श्री पी.के. वर्मा के नेतृत्व में रेस्क्यू कक्ष क्रं. आरएफ-502, वीट-जगुवा, परिक्षेत्र-पनपथा (बफर) में रेस्क्यू कर लिया गया है। बाघगढ़ टाइगर रिजर्व उप संचालक श्री वर्मा ने बताया कि टीम द्वारा बाघ के गले में फॅसे तार के फंदे को काटकर अगल किया गया। बाघ के घावों का प्राथमिक उपचार कर पिजरें में सुरक्षित बंद किया गया है। स्कूल ऑफ वाइल्ड लाइफ फॉरेंसिक एण्ड हेल्थ, जबलपुर के पशु एवं वन्यजीव विशेषज्ञों के परामर्श के अनुसार बाघ को आगामी उपचार के लिये वन विहार भोपाल भेजा जा रहा है।

33 हजार 138 अतिरिक्त आवास भी मंजूर

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। केन्द्र सरकार द्वारा प्रधानमंत्री जनजातीय आदिवासी न्याय महाअभियान (पीएम जन-मन) के तहत प्रदेश की तीन विशेष पिछड़ी जनजातीय समूहों (पीवीटीजी) के सभी चिन्हित एवं पात्र परिवारों के पक्के घर तैयार किये जा रहे हैं। सबको पक्का घर देने के लक्ष्य के लिये प्रदेश के 24 जिलों में करीब 1 लाख 85 हजार 314 पीवीटीजी परिवार सर्वेक्षित किये गये हैं। इन सभी चिन्हित/पात्र परिवारों को पक्के घर बनाकर देने के लिये केन्द्र सरकार द्वारा पहले चरण में 1 लाख 44 हजार 200 पक्के घर मंजूर किये गये हैं। करीब 288 करोड़ 400 लाख रूपये की लागत से बनने वाले इन पक्के घरों का निर्माण कार्य दिसम्बर 2024 तक पूरा कर लेने का लक्ष्य रखा गया है। सितम्बर 2024 के अंत तक 36 हजार 720 से अधिक पक्के घर तैयार कर संबंधित पीवीटीजी हितग्राहियों को प्रदाय किये जा चुके हैं। दूसरे चरण में इस महाअभियान में केन्द्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा प्रदेश को 33 हजार 138 अतिरिक्त आवास मंजूर किये गये हैं। केन्द्रीय मंत्रालय द्वारा प्रदेश के 21 जिलों में निवासरत पीवीटीजी परिवारों को भी पक्के घर की सौगात देने के लिये यह विशेष मंजूरी दी गई है। केन्द्रीय मंत्रालय द्वारा प्रदेश के श्योपुर जिले को 7561, शिवपुरी को 5154, उमरिया को 4092, शहडोल 2591, अशोकनगर 2294, गुना 2084, सिंगरौली 1895, डिंडोरी 1532, अनूपपुर 1522, सीधी 1042, मंडला 903, मुरैना 695, विदिशा 448, बालाघाट 401, ग्वालियर 266, छिंदवाड़ा 202, नरसिंहपुर 158, सिवनी 117, दतिया 110, जबलपुर 42 एवं रायसेन जिले को 29 पीएम (पक्के) आवास मंजूर किये गये हैं। इस प्रकार दो किश्तों में मध्यप्रदेश को अब तक 1 लाख 77 हजार 338 पक्के घरों की मंजूरी मिल चुकी है। पीवीटीजी परिवारों के ये पक्के घर केन्द्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय के निर्देशानुसार राज्य के पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा तैयार कराये जा रहे है और इन्हीं नवनिर्मित पक्के घरों में विद्युतिकरण का कार्य केन्द्रीय विद्युत मंत्रालय के तकनीकी मार्गदर्शन में प्रदेश के ऊर्जा विभाग द्वारा चरणबद्ध रूप से कराया जा रहा है।

प्रदेश में 7 नए वन स्टॉप सेंटर खुलेंगे- मंत्री भूरिया

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। महिला एवं बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया ने बताया कि प्रदेश में 7 नये वन स्टॉप सेंटर जल्द खोले जाएँगे । केंद्रीय महिला बाल विकास मंत्रालय द्वारा इसके लिए स्वीकृति प्रदान की गई है। उन्होंने बताया कि वन स्टॉप सेंटर झाबुआ जिले के पेटलावाद, इंदौर के रसूलिया, धार के पीथमपुर और मनावर सहित नए जिले पांढुर्ना, मऊगंज और मैहर में खोले जाएँगे । मंत्री सुश्री भूरिया ने कहा कि इन जिलों में वन स्टॉप सेंटर खुलने से पीड़ित महिलाएं उनके साथ हुए अत्याचार अथवा घरेलू हिंसा के बारे में बता पाएंगी और व्यवस्था अनुसार अपने जीवन को एक नई दिशा दे सकेंगी।

गरीबों की सेवा के लिए समर्पण भाव बहुत जरूरी है: राज्य मंत्री गौर

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। कोई भी काम अगर निस्वार्थ भाव से किया जाए तो पैसे की कमी कभी रुकावट नहीं बनती। वैसे भी गरीबों की सेवा के लिए समर्पण भाव बहुत जरूरी है। यह बात पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर ने गोविंदपुरा विधानसभा के वार्ड 60 की बीडीए कॉलोनी अमरावत खुर्द में स्कूल एवं आंगनवाड़ी के बच्चों को स्वेटर वितरण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहीं। श्रीमती गौर ने कहा कि परिवार में बहुत सारी परेशानियां, मुश्किलें खड़ी होती हैं। जनसेवी तमाम मुश्किलों के बावजूद भी अपनी समस्याओं को, अपनी परेशानियों को दरकिनार करते हुए जो समाज के लिए सोचता है, वही सच्चा समाज सेवक होता है। बच्चों में ऐसे ही जनसेवी हैं अतुल अंजान। आज इनकी वजह से हम सब यहां पर एकत्रित हुए हैं, जिनका समर्पण हमेशा गरीब बस्तियों में गरीब परिवारों में और गरीब बच्चों के लिए होता है।

खाद्य विभाग के अधिकारियों ने सीखे आनंद के तरीके

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण और वेयर हाउसिंग के अधिकारियों ने 28 से 30 नवंबर तक वाल्मी भवन में आनंद संस्थान के प्रशिक्षकों से आनंदित रहने के तरीके सीखे। प्रशिक्षण में स्वयं की स्वयं से मुलाकात, पॉवर ऑफ साइलेंस का अनुभव एवं जीवन को आनंददायक बनाने के तरीकों को सिखाया गया। समापन सत्र में प्रमुख सचिव खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण श्रीमती रश्मि अरूण शमी और आनंद संस्थान के निदेशक श्री प्रवीण गंगराड़े भी शामिल हुए।

प्रशिक्षण में लगभग 50 अधिकारी-कर्मचारी शामिल हुए। प्रशिक्षण श्री रामसहाय यादव, श्रीमती अर्चना शर्मा, श्रीमती अंजना श्रीवास्तव, श्री मुकेश कामले और श्री कमलकान्त द्वारा दिया गया।

सांस्कृतिक और धार्मिक रूप से भारत सशक्त-राज्य मंत्री श्री लोधी

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में विश्व में भारत का कद लगातार बढ़ रहा है। सांस्कृतिक और धार्मिक रूप से भारत निरन्तर सशक्त होता जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने उनका अनुसरण करते हुए प्रदेश में धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए 20 धार्मिक और सांस्कृतिक लोको का निर्माण किया जा रहा है। प्रदेश सरकार का उद्देश्य धार्मिक तीर्थाटन को विश्व स्तरीय बनाना है। संस्कृति, पर्यटन और धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री धर्मेंद्र सिंह लोधी काशी वाराणसी में सेंटर फॉर सनातन रिसर्च द्वारा आयोजित शक्तिपीठ महासमागम कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

राज्य मंत्री श्री लोधी ने कहा कि प्रदेश में शारदा पीठ मैहर का विकास शारदा लोक और नर्मदा शक्तिपीठ का विकास नर्मदा लोक के रूप में किया जा रहा हैं। प्रदेश में स्थित दोनों ज्योतिर्लिंग बाबा महाकालेश्वर और ममलेश्वर का सर्वांगीण विकास किया जा रहा हैं। इसी तरह भारत में स्थित शक्तिपीठों और ज्योतिर्लिंगों को एक योजना बद्ध तरीके से पर्यटन और सांस्कृतिक सर्किट के रूप में विकसित किया जाना चाहिए। ठहरने की व्यस्था, पहुंच मार्ग जैसी आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जानी चाहिए। व्यापक स्तर पर उसका प्रचार-प्रसार किया जाना चाहिए, जिससे इन शक्तिपीठ और ज्यार्तिलिंग पर तीर्थाटन और पर्यटन बढ़ेगा और हम अखण्ड भारत बनने की दिशा में प्रगतिशील होंगे।

राज्य मंत्री श्री लोधी ने कहा कि उनका सौभाग्य है। बाबा विश्वनाथ की नगरी काशी में आने का अवसर मिला। काशी भौतिकता और आध्यात्मिकता का समागम है। काशी भारत के प्राचीनतम शहरों में से एक है।

उल्लेखनीय है कि पहली बार 51 शक्तिपीठ और द्वादश ज्योतिर्लिंग के पीठाधीश्वर, संत-महात्माओं का महासमागम हुआ है। सेंटर फॉर सनातन रिसर्च का यह आध्यात्मिक समागम शिव के बारह ज्यातिर्लिंग और शक्ति के 51 शक्तिपीठ के महत्व को जन-जन तक पहुंचाने के पुनीत उद्देश्य से किया गया है, जिससे संपूर्ण भारतवर्ष सनातनी सुगंध से पुष्पित और सुगंधित हो सके।

एनीमिया और हिडन हंगर पर नीति संवाद, मध्यप्रदेश की अलग रणनीति

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। नीति आयोग की कार्यशाला में विशेषज्ञों ने कहा है कि मध्यप्रदेश में एनीमिया के उन्मूलन के लिये सभी सम्बद्ध विभागों के बीच बेहतर समन्वय आवश्यक है। मध्यप्रदेश में एनीमिया और हिडन हंगर की स्थिति पर राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस) से जानकारी साझा की गई। नीति आयोग द्वारा एनीमिया और हिडन हंगर पर विशेषज्ञों ने गत दिवस एक कार्यक्रम में मध्यप्रदेश के संदर्भ में व्यापक चर्चा की। आयुक्त खाद्य, श्री सिवि चक्रवर्ती ने राज्य के फोर्टिफाइड चावल कार्यक्रम और एनीमिया से जुड़े महिला कार्यबल की कम भागीदारी को एक बड़ी चुनौती के रूप में रेखांकित किया। उन्होंने कार्यबल पर एनीमिया के प्रभाव का आंकलन करने और डेटा का उपयोग करके प्रभावी रणनीतियाँ तैयार करने का सुझाव दिया। संयुक्त नियंत्रक खाद्य एवं औषधि प्रशासन श्रीमती माया अवस्थी ने हिडन हंगर और राज्य में फोर्टिफिकेशन प्रयासों, विशेष रूप से सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) के माध्यम से डबल-फोर्टिफाइड नमक के वितरण पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने एनीमिया को समाप्त करने के लिए विभागों के बीच समन्वय के महत्व को रेखांकित किया।

एफएसएसएआई के डॉ. अमित शर्मा ने सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी को दूर करने वाले नियामक ढांचे पर चर्चा की, जिसमें खाद्य सुरक्षा और फोर्टिफिकेशन मानकों के लिए अधिदेश पर ध्यान केंद्रित किया गया। श्री मुदित कपूर ने मध्यप्रदेश में घरेलू आहार प्रवृत्तियों पर डेटा प्रस्तुत किया, जिसमें क्षेत्रीय विविधताओं, आहार विविधता में सुधार और अनाज की खपत में गिरावट को रेखांकित किया गया। उन्होंने शहरी क्षेत्रों में बेहतर गुणवत्ता वाले खाद्य पदार्थों की ओर बदलाव की जानकारी दी।

उन्नत खेती से उन्नति की ओर बढ़े शरद

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। परम्परागत खेती अब पुरानी बात हो गई है। अब दौर आधुनिक तरीकों से एडवांस फार्मिंग का है। उन्नत खेती से उन्नति कैसे पाई जाती है, ये सफलता मंत्र कोई किसान श्री शरद नागरे से पूछे।

छिंदवाड़ा जिले के बिछुआ ब्लॉक के झामटा गांव के शरद नागरे पहले पारम्परिक खेती करते थे। सीमित संसाधनों और कम आमदनी में वे आजीविका उपार्जन के लिये संघर्ष कर रहे थे। पर वही शरद आज आधुनिक कृषि तकनीकों की मदद से न केवल लखपति बन गए हैं, बल्कि अपने गांव के किसानों के लिए प्रेरणास्त्रोत भी बन चुके हैं। अपने दृढ़ संकल्प और आधुनिक सोच से सफलता पाकर वे अपने क्षेत्र के एक %फार्मिंग आइककान% बन गये हैं।

शरद नागरे शुरू में निहायत ही पुराने तरीकों से खेती करते थे। प्लाऊ, हार्वेस्टर, ट्रैक्टर, आधुनिक यंत्र और नवीनतम तकनीकों से वे हमेशा दूर ही रहे। इससे उन्हें बेहद कम आमदनी होती थी। उनकी यह स्थिति उद्यानिकी विभाग के मार्गदर्शन से बदलनी शुरू हुई। विभाग ने उन्हें टमाटर, बैंगन, लहसुन, खीरा और लौकी जैसी उद्यानिकी फसलों की खेती के फायदे बताये और आधुनिक कृषि तकनीकों का व्यवहारिक प्रशिक्षण भी दिया। तकनीकी सलाह अपनाते हुए शरद ने अपने 4 हेक्टेयर खेत में उद्यानिकी फसलों की खेती शुरू की। नई तकनीकों को अपनाने में उन्हें शुरू में कठिनाइयां भी आईं, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी। उन्होंने नई सिंचाई तकनीक, उन्नत किस्म के बीज, खाद और मल्चिंग विधियों का उपयोग शुरू किया। उद्यानिकी विभाग ने मल्चिंग सुविधा के लिए उन्हें 16 हजार रुपये का अनुदान भी दिया। उनकी मेहनत रंग लाई। टमाटर, बैंगन और अन्य उद्यानिकी फसलों की अच्छी पैदावार होने लगी और बाजार में उनके ताजा उत्पादों को अच्छा दाम भी मिलने लगा। इससे उनकी माली हालत सुधरने लगी। शरद नागरे की खेती से सालाना आय 10 लाख से बढ़कर 15 लाख रुपये तक पहुंच गई। इस आय से उन्होंने न केवल अपनी जरूरतें पूरी कीं, बल्कि अपने बच्चों की उच्च शिक्षा, पक्के घर का निर्माण कर आधुनिक कृषि उपकरणों की खरीदी भी की। अब शरद नागरे अपने गांव में एक सम्मानित व्यक्ति के रूप में जाने जाते हैं। उनकी प्रेरणा से गांव के अन्य किसानों ने भी आधुनिक खेती अपनाना शुरू कर दी है। आधुनिक खेती अपनाने से अब गांव के दूसरे किसानों का जीवन स्तर भी तेजी सुधर रहा है।

पुलिस महानिदेशक सक्सेना को दी गई भावभीनी विदाई

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। पुलिस महानिदेशक श्री सुधीर सक्सेना के सेवानिवृत्ति के अवसर पर विदाई परेड का आयोजन मोतीलाल नेहरू पुलिस स्?टेडियम भोपाल में किया गया। परेड से पहले पुलिस महानिदेशक श्री सक्सेना ने शहीद स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित की। परेड कमाण्डर भापुसे सुश्री सोनाक्षी सक्सेना डीसीपी इंटेलिजेंस भोपाल तथा परेड टूआईसी सहायक सेनानी श्री रवि शर्मा के नेतृत्व में आठ प्लाटून तथा पुलिस बैण्ड दल द्वारा विदाई परेड की गई। पुलिस महानिदेशक श्री सक्सेना द्वारा परेड का निरीक्षण किया गया उसके बाद आकर्षक मार्च पास्ट हुआ। सेवानिवृत्ति के अवसर पर अपने संबोधन में श्री सुधीर सक्सेना ने कहा कि एक अत्यंत भव्य परेड़ का आज आपने प्रदर्शन किया है। इसके लिये मैं आप सभी को बहुत बहुत बधाई देता हूं। आपके इस प्रदर्शन के लिए मैं एडीजी एसएएफ तथा उनकी पूरी टीम को भी धन्यवाद देता हूँ, जिनके अथक परिश्रम एवं समर्पण के फलस्वरूप आपके उच्च कोटि के प्रदर्शन के हम सभी साक्षी बने हैं। उन्होंने कहा कि सर्वप्रथम मैं मध्यप्रदेश पुलिस शहीदों को श्रद्धांजलि देते हुए हृदय की गहराईयों से उनका स्मरण करता हूं। इन शहीदों के आत्मदान की नींव पर ही मध्यप्रदेश पुलिस की गौरवशाली इमारत खड़ी हुई है। समस्त शहीदों और उनके महान परिजनों के बलिदान के प्रति मैं अपना विनम्र अभिवादन प्रस्तुत करता हूं। मध्यप्रदेश पुलिस का एक अत्यंत ही गौरवशाली इतिहास रहा है। आजादी के समय जम्मू कश्मीर में कबाईली हमलों से मुकाबला करने में, हैदाराबाद में ऑपरेशन पोलो में, दक्षिण के भाषाई आंदोलन में, गोआ के स्वतंत्रता संग्राम में, नार्थ ईस्ट में नागालैंड व त्रिपुरा में, पंजाब व जम्मू कश्मीर के आतंकवाद में सभी स्थानों पर मध्यप्रदेश पुलिस के जाबांज जवानों व अधिकारियों ने देश की आंतरिक सुरक्षा में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। श्री सक्सेना ने कहा कि मध्यप्रदेश पुलिस में अपनी सेवा यात्रा को याद करते हुए मैं गर्व और संतोष का अनुभव कर रहा हूं। यह एक ऐसी यात्रा रही, जिसमें चुनौतियां थीं, कठिनाइयां थीं, लेकिन उससे भी कहीं अधिक सीखने, सहयोग करने और जनसाधारण की सेवा करने के लिए योगदान देने के अवसर थे। उन्होंने कहा कि आज का यह विशेष दिन मेरे लिए भावनाओं से भरा हुआ है। एक ओर, मध्यप्रदेश पुलिस परिवार के साथ बिताए गए अनमोल पलों की स्मृतियां हैं, वहीं दूसरी ओर, इस महान सेवा से विदा लेने का क्षण। मैं इस विदाई समारोह के आयोजन और आप सभी की उपस्थिति के लिए हृदय से आभार व्यक्त करता हूं। मध्यप्रदेश पुलिस के महानिदेशक के रूप में लगभग पौने तीन साल के कार्यकाल में पूरे पुलिस बल ने जो आत्मीयता, सहयोग व सम्मान मुझे दिया वह मेरे लिये एक धरोहर है और सदैव अविस्मरणीय रहेगा। चाहे पुलिस मुख्यालय की विभिन्न शाखाओं के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशकगण व उनके अधिनस्थ अधिकारी व कर्मचारी हों या विभिन्न मैदानी इकाईयों के अधिकारी व कर्मचारी हों, सभी ने पूर्ण समर्पण व कर्तव्य निष्ठा से कार्य करते हुये प्रदेश में कानून व्यवस्था बनाये रखने में उल्लेखनीय कार्य किया व सफलता के कई प्रतिमान स्थापित किये।

वश्व एड्स दिवस पर आयोजित हुई जन जागृति गतिविधियां

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। विश्व एड्स दिवस एक दिसंबर के अवसर पर रविवार को सीधी जिले के जेल में कैदियों के साथ विश्व एड्स दिवस का कार्यक्रम संपादित किया गया। जिला नोडल अधिकारी एड्स नियंत्रण कार्यक्रम डॉ हिमेश पाठक ने बताया कि जन-जागरूकता कार्यक्रम जिला चिकित्सालय सीधी एवं ग्राम सुधार समिति सीधी के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के अध्यक्ष जेल अधीक्षक रविशंकर पटेल एवं विशिष्ट अतीथि के रूप में उप अधीक्षक के के तिवारी जिला चिकित्सालय से संतोष तिवारी, के वी के सिंह, जरीना बेगम, भारती वर्मा, इंदल सिह संपूर्ण सुरक्षा केंद्र से परियोजना प्रबंधक वेदांती मिश्रा, अर्चना पाठक, लक्ष्यगत हस्तक्षेप परियोजना प्रबंधक मीरा गौतम पूनम सिंह, फूलकली तिवारी, सीमा सिंह की उपस्थिति में कार्यक्रम संपन्न कराया गया।

सर्वप्रथम जेल के कैदियों को मानव श्रृंखला में बैठाया गया। एड्स जागरूकता के संबंध में नारे लगवा कर कार्यर्₹ म की शुरुआत की गई। कार्यर्₹ म को आयोजित करने का उद्देश्य बताया गया कि एड्स लाइलाज बीमारी है अभी इसकी कोई भी दवा अपने पूरे भारत वर्ष में नहीं बन पाई है। एड्स से सावधानी ही बचाव है। जरीना बेगम के द्वारा बताया गया कि हम एचआईवी जैसे संर्₹ मण को दूर करने का परामर्श देते हैं। काउंसलर इंदल सिंह के द्वारा कहा गया कि हम लोग इंजेक्टीबल ड्रग यूजर को इंइंजेक्शन का नशा छोड़ने के लिए दवाई देने का काम करते हैं। जोखिम पूर्ण व्यवहार करने वाले को एचआईवी संर्₹ मण से बचाने का काम करते हैं। उमा सेन के द्वारा बताया गया कि एचआईवी और एड्स की जानकारी अभी तक गांव के लोगों को नहीं है इसलिए इसका ज्यादा से ज्यादा प्रचार-प्रसार समुदाय के लोगों के साथ करने की आवश्यकता है। कार्यर्₹ म की अध्यक्षता कर रहे पुलिस जेल अधीक्षक रविशंकर पटेल जी द्वारा अपने उद्बोधन में कहा गया कि आज इतना बड़ा कार्यर्₹ म कैदियों के साथ में करने की जरूरत क्यों पड़ी यह हम सब लोग अपने दिमाग में सोच रहे होंगे लेकिन आप सबको मालूम हो एचआईवी और एड्स एक खतरनाक बीमारी है इस बीमारी से बचने के लिए हम सब लोगों को सुरक्षित जीवन जीने की आवश्यकता है इसके प्रति हमें वफादार रहने की जरूरत है इसके लिए जानकारी ही बचाव है। कार्यक्रम का संचालन संपूर्ण सुरक्षा केंद्र के परियोजना प्रबंधक वेदांती प्रसाद मिश्रा के द्वारा किया गया।

मऊगंज में खड़ा हो रहा भाजपा का आदर्श संगठन

मीडिया ऑडीटर, मऊगंज (निप्र)। भारतीय जनता पार्टी मऊगंज जिला संगठन चुनाव को लेकर जिला स्तरीय एकदिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई कार्यशाला का शुभारंभ महापुरुषों के चित्रों पर माल्यार्पण एवं दीप प्राज्वलन के साथ पार्टी जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जिला अध्यक्ष द्वारा किया गया जिला स्तरीय कार्यशाला को संबोधित करते हुए जिला निर्वाचन अधिकारी सदानंद गौतम ने कहा कि मऊगंज जिला संगठन पर्व के तहत निर्वाचनप्रक्रिया को पूर्ण करने का काम किया है स्थानीय समिति के गठन से लेकर उसे सर्व स्पर्शी स्वरूप देने का काम हुआ है मंडल चुनाव में क्षमताबान और विचारवान लोगों का चुनाव कर संगठन को सर्वव्यापी बनाने में आप सभी उपस्थित जन योगदान दें जिस तरह से आप सभी ने सदस्यता अभियान से लेकर सक्रिय सदस्यता और स्थानीय समितियां का चुनाव निर्विवाद पूर्ण किया है उसे से आपकी कार्यक्षमता की चर्चा हो रही है भाजपा जिला अध्यक्ष डॉ राजेंद्र मिश्रा ने कार्यशाला कोसंबोधित करते हुए कहा कि मऊगंज जिला आदर्श संगठन के रूप में खड़ा हो रहा है पार्टी के विचारवान कार्यकर्ताओं ने सदस्यता अभियान से लेकर उसे स्थानीय स्तर पर खड़ा करने में बड़ी माहिती भूमिका का निर्वहन किया है मऊगंज के सभी कार्यकर्ता ने परिवार भाव से स्थानीय समिति क़ो खड़ा किया है और खासकर महिलाओं को पार्टी के निर्देशों के अनुरूप हर स्थानीय समिति में पदाधिकारी बनाकर सशक्त नेतृत्व खड़ा करने के लिए काम हुआ है मऊगंज जिले के सभी कार्यकर्ताओं ने महत्व लगन से संगठन पर्व को सफल बनाया है सत्य प्रतिशत स्थानीय समितियां का गठन कर ऐतिहासिक काम हुआ है यह सब कार्यकर्ताओं की मेहनत अनुभवी नेतृत्व की वजह से संभव हुआ है मंडल का चुनाव भी समन्वय और सर्वसम्मतसे पूरा किया जाएगा मऊगंज को पूरे प्रदेश में आदर्श संगठनात्मक जिले के रूप में खड़ा करेंगे बैठक में सा जिला निर्वाचन अधिकारी शिवदत्त मिश्रा महेंद्र प्रताप सिंह सरिता सिंह बी सैलानी विपिन मिश्रा उर्मिला सिंह प्रकाश चौरसिया सहित पार्टी पदाधिकारी उपस्थित हुए।

सिंगरौली में पुलिस वाहन को बेकाबू पिकअप ने मारी टक्कर

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। सिंगरौली में शनिवार को पुलिस का वाहन हादसे का शिकार हो गया। हादसा सड़क दुर्घटना में दम तोड़ चुके युवक के शव को पीएम कराने बैढ़न लाते समय हुआ। राजासरई में पुलिस वाहन और पिकअप में आमने-सामने भिड़ंत हो गई। जिसमें पुलिस वाहन का एक हिस्सा क्षतिगस्त हो गया। इस घटना में प्रधान आरक्षक सचिन सिंह सहित चालक भी गंभीर रूप से घायल हो गया। बरगवां थाना प्रभारी शिवपूजन मिश्रा के अनुसार बरगवां थाना क्षेत्र के चरकी पहाड़ी में शनिवार की दोपहर बाइक से जा रहे युवक धर्मेन्द्र साकेत की सड़क दुर्घटना में मौत हो गई थी। स्थानीय लोगों ने बरगवां पुलिस को सूचना दी। मौके पर थाना प्रभारी शिवपूजन मिश्रा अपने दल-बल के साथ पहुंचे। मृतक युवक के शव को पुलिस वाहन से पीएम कराने के लिए बैढ़न भेजवाया जा रहा था। पुलिस के वाहन में प्रधान आरक्षक सचिन सिंह और चालक जागेश्वर पाल के साथ मृतक के दो परिजन जा रहे थे। जैसे ही पुलिस का वाहन राजासरई पहुंचा तो सामने से आ रहा पिकअप वाहन से टकरा गया। इस घटना में प्रधान आरक्षक सचिन सिंह और चालक गंभीर रूप से घायल हो गए। जिन्हें उपचार के लिए जिला चिकित्सालय सह ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया गया है।

दिव्यांग छात्रावास के 14 बच्चे बीमार,फूड पॉयजनिंग की आशंका

बच्चों ने क्या खाया जिम्मेदारों को पता नहीं

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सीधी जिले के दिव्यांग छात्रावास मधुरी में बड़े स्तर पर लापरवाही का मामला सामने आया है। खराब खानपान के कारण 14 बच्चों को फूड पॉयजनिंग हो गई, जिनमें से दो बच्चों की हालत गंभीर हो गई थी। सभी बच्चों को जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया है। बता दें कि उल्टी-दस्त और डिहाइड्रेशन की समस्या से पीड़ित बच्चों की उम्र 8 से 15 वर्ष के बीच है। शनिवार को दिव्यांग बच्चों की ब्लॉक स्तरीय खेल प्रतियोगिता में ले जाया गया था। वहां लंच के पैकेट बच्चों को दिए गए थे। अधिकारी दावा कर रहे हैं कि पैकेट वाला खाना खाने के बाद ही बच्चों की तबीयत खराब हुई। इस पूरे घटनाक्रम में बच्चों का बयान अधिकारियों के बयान से मैच नहीं कर रहा है। बच्चों का कहना है कि उन्होंने दाल चावल रोटी सब्जी सुबह खाई थी उसके बाद उन्होंने कुछ नहीं खाया। लेकिन अधीक्षक का कहना है कि लंच पैकेट की व्यवस्था की थी उसे खाकर बच्चे बीमार हुए। पर जब डीपीसी अधिकारी से बात की गई तब उन्होंने बताया कि ठंड लगने की वजह से बीमार हुए हैं। हालांकि सभी के बयान में एकजुटता नहीं पाई जा रही है, जिसके लिए कलेक्टर ने जांच टीम का गठन कर दिया है। घटना की सूचना मिलते ही एसडीएम गोपद बनास नीलेश शर्मा ने जिला चिकित्सालय का दौरा कर स्थिति का जायजा लिया। वहीं कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी ने घटना को गंभीरता से लेते हुए छात्रावास प्रबंधन की लापरवाही पर कड़ी नाराजगी जताई और जांच के आदेश दिए हैं। उन्होंने एसडीएम और सिविल सर्जन को बच्चों की बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं का प्रबंधन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

छात्रावास प्रबंधन पर सवाल: स्थानीय लोगों और बच्चों के अभिभावकों ने छात्रावास के प्रबंधन पर सवाल उठाए हैं। पहले भी खराब खानपान को लेकर शिकायतें मिल चुकी हैं, लेकिन इस ओर कोई ध्यान नहीं दिया गया। यह घटना प्रबंधन की घोर लापरवाही को उजागर करती है।

बीआरसीसी ने की गई थी लंच पैकेट की व्यवस्था: दिव्यांग छात्रावास मधुरी के अधीक्षक रामसहाय साकेत द्वारा बताया गया कि विकासखंड स्तरीय दिब्यांगो के लिए खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन जीडीसी कॉलेज मैदान में किया गया था। जहां लगभग दो बजे लंच पैकेट का वितरण किया गया, जिसे खाने के बाद बच्चे छात्रावास आ गए। दोपहर करीब तीन बजे से बच्चों का स्वास्थ्य खराब होने लगा, अपने स्तर से छात्रावास में दवा करवाई गई। जब स्वास्थ्य ठीक नहीं हुआ तब जिला अस्पताल शाम के समय ले आया हूं, जहां उपचार चल रहा है। लंच पैकेट की ब्यवस्था बीआरसीसी के द्वारा करवाई गई थी।

सिविल सर्जन बोले- चिंता की बात नहीं

पूरे मामले मे सीधी अस्पताल की सिविल सर्जन दीपा रानी इसरानी ने जानकारी देते हुए बताया है दिव्यांग छात्रावास मधुरी के 14 बच्चों को उल्टी-दस्त की समस्या के कारण जिला चिकित्सालय सीधी में उपचार हेतु भर्ती कराया गया है। सिविल सर्जन ने बताया कि चिकित्सकों द्वारा स्वास्थ्य की लगातार निगरानी रखी जा रही है। बच्चों की उम्र 8 से 15 वर्ष के बीच है, उन्हें बच्चा वार्ड में भर्ती कराया गया है। सभी बच्चों के स्वास्थ्य में सुधार है। डिहाइड्रेशन के कारण दो बच्चों को ड्रिप लगाई गई है। किसी भी प्रकार से घबराने की आवश्यकता नहीं है।

करेंट से हाथी की मृत्यु पर विद्युत विभाग के कर्मचारियों की आलोचना

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। वन समिति सभापति एवं वार्ड क्रमांक 15 से जिला पंचायत सदस्य हरीश कांत त्रिपाठी ने विगत दिनों अमरपाटन विधानसभा क्षेत्र में हुई गजराज की दुखद मृत्यु पर दुख व्यक्त करते हुए विद्युत विभाग के लापरवाह अधिकारियों एवं कर्मचारियों की कड़ी आलोचना की। त्रिपाठी जी ने कहा कि विगत कुछ महीनो से विद्युत विभाग के कर्मचारियों का रवैया निहायत ही लापरवाही भरा रहा है जिनकी लापरवाही के कारण गांवों की घनी बस्तियों,खेत खलिहानों आदि मे जगह-जगह विद्युत तारे झूल रही हैं कहीं ट्रांसफार्मर खुले हैं कहीं खंबे लटके हुए हैं जो आए दिन जंगली जानवरों,पालतू पशु,मवेशियों एवं स्थानीय निवासियों के लिए मौत का कारण बन रहे हैं वहीं गर्मियों के दिनों में खेतों की फसलों में आग लगने की घटनाएं होती हैं इसी लापरवाही का नतीजा है कि मुकुंदपुर वन परिक्षेत्र में जंगल से भटक कर आए गजराज की दुखद मृत्यु हो गई इस घटना के लिए विद्युत विभाग पूर्णतः जिम्मेदार है अतः उन्होंने अधिकारी कर्मचारियों को यथा उचित कदम उठाने एवं उक्त मामले में जिला कलेक्टर सहित संबंधित वरिष्ठ अधिकारियों से कार्यवाही हेतु आग्रह किया एवं विद्युत विभाग की आलोचना की।

सिविल सेवा की तैयारी के लिए करायें रजिस्ट्रेशन

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिला प्रशासन द्वारा संचालित यूपीएससी एवं एमपीपीएससी निःशुल्क कोचिंग क्लासेस से जुड़ने के लिए एक सुनहरा अवसर दिया जा रहा है। सीधी जिले के इच्छुक और जरूरतमंद छात्र छात्राओं के लिए 02 दिसंबर से कोचिंग समय पर रजिस्ट्रेशन के लिए एक अवसर और दिया जा रहा है। सहायक संचालक निःशुल्क कोचिंग क्लासेस किरण भारती ने बताया है कि इच्छुक छात्र-छात्राएं सुबह 7.30 बजे से 9.30 बजे तक जनपद पंचायत सीधी के सभागार में संचालित निःशुल्क कोचिंग क्लासेस पर आकर रजिस्ट्रेशन करवा सकते हैं। कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी और आदर्श परिवार एवं आधुनिक नालंदा के डायरेक्टर परीक्षित भारती के संयुक्त तत्वावधान में युवाओं के लिए निःशुल्क कोचिंग क्लासेस निरंतर रूप से संचालित की जा रही है।

वार्षिक एथलेटिक्स आयोजित, जिले के 7 कॉलेजों के स्टूडेंट्स हुए शामिल

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, संजय गांधी महाविद्यालय सीधी में कॉलेज में वार्षिक एथलेटिक्स खेल-कूद प्रतियोगिता का आयोजन शनिवार के दिन किया गया। जहां सीधी जिले के सभी ब्लॉक में संचालित महाविद्यालय के छात्र-छात्राएं मौजूद रहे। यह कार्यक्रम सीधी के छत्रसाल स्टेडियम में आयोजित किया गया।

सीधी जिले में संजय गांधी कॉलेज के अलावा अवधेश प्रताप सिंह विवि की करीब 6 शाखाएं अन्य इसमें शामिल हुईं। उन्होंने सभी एथलीट कार्यक्रमों में भाग लिया। इस दौरान ऊंची कूद, लंबी कूद, भाला फेंक, गोला फेक, दौड़ और क्रिकेट सहित अन्य खेलों का आयोजन किया गया। इस मौके पर सीधी विधायक रीति पाठक उद्घाटन में मौजूद रहीं। उन्होंने कहा है कि खिलाड़ियों में जीत और हर का महत्व नहीं होना चाहिए, केवल अपने महाविद्यालय और अपने जिले का नाम रोशन करें। इसके लिए चिंता करनी चाहिए। कभी भी अपने आपको श्रेष्ठ ना माने ताकि हमारा जिला और भी बेहतर हो सके।

सर्वेयर को खनिज निरीक्षक का प्रभार देने पर विवाद, हाईकोर्ट की फटकार पर नेता प्रतिपक्ष का तंज

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। सिंगरौली कलेक्टर चंद्रशेखर शुक्ला ने नियम विरुद्ध 13 नवंबर को आदेश जारी कर एक सर्वेयर को खनिज निरीक्षक का प्रभार दे दिया। इसके खिलाफ असिस्टेंट माइनिंग ऑफिसर डॉक्टर वीके तिवारी 20 नवंबर को उच्च न्यायालय की शरण में गए।

मामले को गंभीरता से सुनते हुए न्यायाधीश ने असिस्टेंट माइनिंग ऑफिसर डॉक्टर वीके तिवारी को स्थगन दिया। वहीं जिम्मेदारों को नोटिस देकर जवाब मांगा हैं। अब इस मामले को लेकर रविवार को नेता-प्रतिपक्ष उमंग सिंघारने भ्रष्टाचार को सरकारी संरक्षण का आरोप लगाते हुए भाजपा सरकार को घेरने हुए ट्वीट किया है।

पिछले दिनों जिले के प्रभारी मंत्री संपत्तियां उइके के अनुमोदन से सर्वेयर मुनेंद्र सिंह को खनिज निरीक्षक बनाते हुए सरई और माड़ा का प्रभार दे दिया गया। जबकि हटाए गए सहायक खनिज निरीक्षक डॉक्टर वीके तिवारी को चितरंगी क्षेत्र का प्रभारी बनाया गया।

कलेक्टर के इस आदेश से सहायक खनिज अधिकारी डॉक्टर वीके तिवारी असहमत थे। उन्होंने कहा कि मेरा प्रभार बदलना सही था। लेकिन एक सर्वेयर को खनिज निरीक्षक बनाना नियम विरुद्ध है। वरिष्ठ अधिकारियों से नियम विरुद्ध प्रभार को लेकर चर्चा की गई लेकिन न्याय संगत जवाब नहीं मिला।

जिसके कारण मुझे उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाना पड़ा। जहां उच्च न्यायालय ने स्थगन आदेश देते हुए जिम्मेदारों से जवाब मांगा है। वहीं चर्चा है कि आखिर सरकार की नीतियों और योग्यता पर नियम विरुद्ध तरीके से कौन सर्वेयर को निरीक्षक बना रहा है। हाईकोर्ट के फैसला आने के बाद सियासत तेज हो गई है। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंगार ट्वीट करते हैं लिखा कि हाई कोर्ट का आदेश भ्रष्टाचार को सरकारी संरक्षण मिलने का प्रमाण ये रहा,जब मुख्यमंत्री कमजोर हो, तो अफसर पूरी व्यवस्था पर हावी हो जाते हैं। ये मामला ऐसा ही है, जिसमें सिंगरौली जिले में एक सर्वेयर को खनिज अधिकारी का प्रभार दिया गया। यह सब खनिज माफिया की सांठगांठ और उन्हें रायल्टी की चोरी में छूट देने के लिए दिया गया। लेकिन, हाईकोर्ट में यह चालबाजी नहीं चली, अदालत ने इस अपात्र को अधिकारी बनाने पर स्टे दे दिया।

छह दिसम्बर को धर्मपरिषद मनायेगा हिन्दू जागरण दिवस

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। अयोध्या में श्री राममंदिर बनाने के संकल्प के यादगार दिन 06 दिसम्बर 1992 को कारसेवाको की सेवा को अक्षुण रखने हिन्दू धर्म परिषद ने इस दिन को याद करने हिन्दू जागरण दिवस मनाने का निर्णय लिया है। इस दिन समूचे देश के हिन्दू एवं सनातन समाज को नवचेतना की तूफानी लहर ने आंदोलित कर शिलान्यास का सुनहरा पन्ना जोड़ा गया। आज भी समूचे देश में जाने कितने मंदिर जीर्णोद्धार और नवनिर्माण के लिये शेष है जिसके लिये आज हिन्दुओ को जागृत करने की जरूरत है। इसलिए धर्म परिषद ने इस दिन हिन्दू जागरण दिवस के रूप में मनाने का सभी धर्म प्रेरको से आग्रह किया है। अगर हिन्दू संस्कृति, संस्कार के साथ प्राचीन परम्पराओ की रक्षा में हमस ब लोग मिलकर आगे नही आयेगे तो आने वाली पीढ़ी हमें किस रूप में याद करेगी उसकी सिर्फ कल्पना की जा सकती है। यह जानकारी धर्म परिषद के संस्थापक नारायण डिगवानी ने दी हैं। श्री डिगवानी ने बताया कि म0प्र0 के मुख्यमंत्री डॉ0 मोहन यादव ने समूचे प्रदेश के भगवान राम-कृष्ण के साथ सभी मंदिरो के जीर्णोद्धार कराये जाने की घोषणा विगत दिनो मे की गई थी लेकिन उस घोषणा का क्रियान्वयन कराने हिन्दू समाज को ही पहल करनी पड़ेगी तभी मंदिरो को भव्य रूप प्रदान होगा और धार्मिक चेतना आयेगी। इसके लिये धर्म परिषद द्वारा पहल की जाकर शासन-प्रशासन एवं सभी धार्मिक संस्थाओ के साथ जिला जनपद एवं ग्राम पंचायतो के जन प्रतिनिधियो को आगे जाकर काम करने की आवश्यकता पर बल दिया है।

विचार

धनपति का एजेंट बन धंधे दिलाने का राजधर्म

याद करें भारत में कौन सा राजा (सम्राट अशोक से लेकर पृथ्वीराज चौहान या मुस्लिम-अंग्रेज शासकों के कार्यकाल में), प्रधानमंत्री ऐसा हुआ, जिसने किसी उद्योगपति-व्यापारी की पैरोकारी को अपना राजधर्म बनाया? जवाब है कि ऐसा उदाहरण प्राचीन, मध्य और आधुनिक काल के किसी भी राजा, प्रधानमंत्री का नहीं है। क्यों? इसलिए क्योंकि राजनीति का उद्देश्य व कर्तव्य समाज के सभी वर्गों में संतुलन बनाने का है। राजा-प्रधानमंत्री कितना ही भ्रष्ट हुआ हो उसने किसी पर मेहरबान हो कर उसे लाइसेंस, कोटा दे कर क्रोनी पूंजीपति बनाया हो लेकिन राजा खुद धनपति का एजेंट बन कर उसे काम धंधे दिलाने को राजधर्म बनाए ऐसा एक भी उदाहरण भारत के इतिहास में नहीं है! आखिर राजा, राजा होता है, उसकी गरिमा पूरी नस्ल, कौम और देश की आन-बान-शान का प्रतीक होती है! चीन, रूस, अमेरिका, जापान आदि तमाम देशों की सरकारें देश की समृद्धि, व्यापार, वाणिज्य के लिए कूटनीति करती हैं, करार करती हैं, शी जिनफिंग, पुतिन जैसे तानाशाह शासक क्रोनी पूंजीपतियों का खेला भी बनाते हैं लेकिन क्या कभी सुना कि इनमें से किसी ने किसी चाइनीज या रूसी उद्योगपति की पैरोकारी को अपना राजधर्म बनाया है? अमेरिका घोषित पूंजीवादी देश है लेकिन उसका प्राथमिक धर्म सबको बराबर के अवसर मुहैया कराने का है। पूरी दुनिया में अमेरिकी कंपनियों का दबदबा और धंधा है लेकिन कंपनियां, अमेरिकी खरबपति अपने बूते, अपनी तकनीक, अपने प्रोडक्ट, अपनी सर्विस, अपनी उद्यमशीलता और कॉरपोरेट कायदों-नियमों से बने हुए हैं। सच्ची प्रतिस्पर्धा में बिजनेस करते हैं। डोनाल्?ड ट्रंप ने पिछले कार्यकाल में अमेरिकी मोटरसाइकिल कंपनी हार्ले-डेविडसन को ले कर भारत पर दबाव बनाया था तो उसका आधार भारत-अमेरिकी व्यापार नीति में कस्टम ड्यूटी की असमानताओं के हवाले था न कि उस कंपनी की निज पैरोकारी थी। शी जिनफिंग हों या पुतिन, इनके इतने वर्षों के शासन में वहां के किसी भी एक ऐसे उद्योगपति का नाम नहीं है, जैसे भारत में नरेंद्र मोदी से गौतम अडानी का बना है! जिन कंपनियों और उद्योगपतियों को लेकर चर्चा थी कि चाइनीज कम्युनिस्ट पार्टी से फलां-फलां की किस्मत बनी उनमें एक भी शी जिनफिंग या पुतिन के माई बाप उद्योगपति के रूप में दुनिया में चर्चित नहीं है! उलटे कभी जो ऐसे नाम सुने भी गए वे या तो जेल में (हां, चाइनीज खरबपति) है या गुमनामी में चले गए हैं! क्यों? इसलिए क्योंकि राजा, राजा होता है वह कैसे भला किसी सेठ को अपनी व्यवस्था, शासन, राजधर्म का पर्याय बनने दे सकता है। मगर भारत में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गौतम अडानी को अपने राजधर्म में, जब तक सूरज-चांद रहेगा तब तक अडानी का राज चलेगा वाली जो परिघटना रची है वह विश्व के इतिहास में अनहोनी है। और यह भारत का वैश्विक कलंक है! अमेरिका, यूरोप और वैश्विक वित्तीय जगत में अडानी ग्रुप की आज बदनामी का सत्य अपनी जगह है लेकिन क्या विश्वास करेंगे कि अफ्रीका के केन्या में भारत को लेकर क्या नैरेटिव बना हुआ है? बतौर भारतीय मेरे और आपके, 140 करोड़ लोगों के वजूद में केन्या में सुनाई दिए इस वाक्य पर जरा गौर करें- भ्रष्ट भारतीय आखिरकार यहां आ ही गए। मुझे भरोसा नहीं हो रहा है कि ये सब हो रहा है।

दुनिया का सिरमौर बनने की ओर अग्रसर भारत

ललित गर्ग।

अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर भारत एवं उसके प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की साख एवं सीख के कारण भारत दुनिया का सिरमौर बनने की दिशा में अग्रसर है। प्रधानमंत्री मोदी ने हाल ही में 5 दिन के विदेश दौरे में तीन देशों की यात्रा की और 31 ग्लोबल लीडर्स और वैश्विक संगठनों के प्रमुखों के साथ मुलाकात की। मोदी की विदेश यात्राओं से विश्व में भारत का न सिर्फ समान बढ़ रहा है बल्कि दुनिया का हमारे देश के प्रति नजरिया भी बदल रहा है। भारत का हमेशा से मानना रहा है कि दुनिया के शीर्ष ताकतों को सिर्फ अपने बारे में नहीं सोचना चाहिए। आर्थिक रूप से संपन्न देशों को छोटे-छोटे देशों के हितों का भी उतना ही याल रखना होगा।

प्रधानमंत्री के एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य का मंत्र इस बात की ओर ही संकेत है। भारत में वैश्विक विकास को फिर से पटरी पर लाने, युद्धमुक्त दुनिया बनाने, खाद्य और ऊर्जा सुरक्षा, पर्यावरण, स्वास्थ्य और डिजिटल परिवर्तन जैसे वैश्विक चिंता के प्रमुख मुद्दों पर दुनिया की अगुवाई करने की क्षमता है। इस पहलू को अब दुनिया की तमाम बड़ी शक्तियां भी स्वीकार करने लगी हैं। मोदी ने बार-बार कहा है भारत वसुधैव कुटुम्बकम की भावना से काम करता है, जिसमें छोटे-छोटे देशों के हितों को पूरा करने के लिए समान विकास और साझा भविष्य का संदेश भी निहित है, जो भारत की आशावादी एवं समतामूलक सोच को दर्शाता है।

भारत को स्वर्णिम भारत, अच्छा भारत, रामराज्य का भारत या दुनिया का सिरमौर इसलिये कहा जाता है कि यह वो देश है जहाँ से दुनिया ने शून्य को जाना। खेल, पर्यटन और फिल्मों से जिसको पहचाना जाता है। जिसकी अंतरिक्ष में पहुँच, तकनीकी प्रतिभाओं से विश्व ने भी भारत का लोहा माना है। बिना रक्त क्रांति के जिसने पायी थी आजादी। भारत दुनिया को बाजार नहीं, एक परिवार मानता है। संतों के सान्निध्य में चलने वाली भारत की व्यवस्था पूरी दुनिया के लिए मार्गदर्शन हैं। मानव सभ्यता के 95 प्रतिशत समय तक भारत दुनिया को खनिज, मसाले और धातुओं के साथ ही धर्म, गणित एवं खगोलशास्त्र की अवधारणाएं देता रहा। जब सारी दुनिया भटकती है तब भारत उसका मार्ग प्रशस्त करता है। भारत टकराव और संघर्ष को मानवता के लिए खतरा मानता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि मौजूदा दौर में हमें अपने अस्तित्व ही नहीं, सम्पूर्ण मानवता के लिए लड़ने की जरूरत है। भारत ने अपनी विदेश नीति के जरिए हमेशा ही ये संदेश दिया है कि आज दुनिया जलवायु परिवर्तन, गरीबी, आतंकवाद, युद्ध और महामारी जैसी जिन सबसे बड़ी चुनौतियों का सामना कर रही है, उनका समाधान आपस में लड़कर नहीं बल्कि मिलकर काम करके ही निकाला जा सकता है।

आज दुनिया में ऐसी ही संवेदनशील अर्थव्यवस्थाओं के निर्माण की चर्चा हो रही है जहां समाज कल्याण एवं जीडीपी विकास दोनों का सह-अस्तित्व हो और नागरिकों की प्रसन्नता सर्वोपरि हो। भारत ऐसी ही अर्थव्यवस्था यानी संवेदनशील वैभव के सदुपयोग को खुशहाल जीवन और दीर्घकालिक आत्मनिर्भर समाज का आधार मानते हुए आगे बढ़ रहा हैं। भारतीय सभ्यता सदा से धन और दान दोनों को सर्वोच्च मानती है। हमारे ॠषियों-मनीषियों ने वाकपटुता, सहायता करने की तत्परता, शत्रुओं से निपटने की बुद्धिमत्ता, स्मृति, कौशल, नैतिकता एवं राजनीति का ज्ञान आदि गुणों को सफल नेतृत्व का आधार बताया और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इन्हीं गुणों के बल पर भारत को दुनिया में अव्वल स्थान पर पहुंचाया हैं। भारत के पास सबसे मजबूत लोकतंत्र है, विविधता है, स्वदेशी एवं समावेश सोच, आदर्श जीवनशैली, वैश्विक सोच है और दुनिया इन्हीं आइडियाज में अपनी सभी चुनौतियों का समाधान देख रही है।

आज अमेरिकी अपनी गिरती साख को लेकर चिन्तीत है। यूरोपीय संस्कृति ऐसी रही है, जिसमें उन वस्तुओं पर भी पैसा बहाया गया, जिनकी उन्हें कभी जरूरत ही नहीं थी। चीन ने कारोबार और नीतियों का ऐसा रास्ता अपनाया, जिसमें कोई नैतिकता नहीं। रूस अपने शत्रु को आंकने में गलती कर गया और एक अंतहीन से युद्ध में उलझकर रह गया। दुनिया में मची इस उथल-पुथल के बीच ऐसा लगता है कि केवल भारत ही ऐसी प्रमुख शक्ति है, जिसने ऐसा रास्ता चुना जो कूटनीतिक समझ और नैतिकता से भरा है। साथ ही, उसने एक स्थिर अर्थव्यवस्था के वैश्विक ब्रांड के रूप में खुद को स्थापित किया है, जिसके साथ दुनिया व्यापार करना चाहती है। ये सब इसी कारण संभव हुआ, क्योंकि हम अपनी संस्कृति से जुड़े हैं, हमारा नेतृत्व संस्कृति से जुड़ा एक महान् कर्मयोद्धा कर रहा है।

दुनिया पिछले हजारों सालों से सुखों के लिए दौड़ रही है लेकिन इस दौड़ में हार चुकी है। अब उसकी नजर भारत पर है। देश को अपनी सारी शक्ति एकजुट करनी होगी। सारी दुनिया में कट्टरपंथ और उदारता के बीच लड़ाई चल रही है। कपट और सरलता के बीच संघर्ष चल रहा है। देश को अपने मूल्यों को स्थापित करने के लिए सेनापति की भूमिका निभानी होगी और उसके लिये उसकी तैयारी भी है।

वर्तमान में भारत आर्थिक, सामरिक, वैज्ञानिक तथा ज्ञान के क्षेत्र में विश्व का सिरमौर बन रहा है, यह अच्छा संकेत है। अन्यान्य क्षेत्रों के साथ भारत सौर ऊर्जा के क्षेत्र में दुनिया का सिरमौर है। सौर ऊर्जा उत्पादन में भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा देश है। इसलिए सारा संसार भारत की ओर बड़ी आशा और विश्वास के साथ देख रहा है। परन्तु अनेकानेक विशेषताओं एवं विलक्षणताओं के बीच कुछ विसंगतियां एवं विषमताएं भी हैं। भारत की अस्मिता का प्रतीक मातृशक्ति की आज सर्वत्र अवमानना की जा रही है। चरित्रहीनता, भ्रष्टाचार और संवेदनहीनता से जूझता हुआ हमारा भारतीय समाज भोगवादी संस्कृति का आदी हो चुका है। अपने देश में भारत के हित में विचार करनेवाले, समाज की उन्नति के संबंध में चिंतन करनेवाले लोगों की कमी नहीं है। फिर भी आज देश की व्यवस्था में राष्ट्रभक्तों का अभाव दिखता है, संकीर्ण राजनीति एवं सत्ता की दौड़ में मूल्यों को धुंधलाने की स्थितियां कमजोर करती है। यही कारण है कि संपूर्ण देश में एक असंतोष की भावना दिखाई देती है। सरकारी यंत्रणाओं के प्रति जनमानस का विश्वास प्रायः लुप्त होता जा रहा है।

शिक्षा के क्षेत्र में नये परचम फहराने वाले युवाओं, घर को संस्कारों से संवर्धित करनेवाली नारीशक्ति, संपूर्ण भारत के जीवन को पोषित करनेवाले हमारे अन्नदाता किसान भाइयों तथा खेतों, कारखानों तथा सर्वत्र मजदूरी करनेवाले श्रमिकों, वन-संस्कृति का जतन करनेवाले वनवासी भगिनी-बंधुओं के आत्मविश्वास, लगन तथा परिश्रम के जागरण से भारत दुनिया में अव्वल होने की दिशा में अग्रसर है। देश का शिक्षित, प्रबुद्ध तथा समृद्ध समाज को दीन-दलितों, अशिक्षितों तथा असहाय लोगों के उत्थान के लिए आगे आना होगा। अंतर्राष्ट्रीय संगठन डेलायट ने अपनी हालिया रिपोर्ट में वर्ष 2030 तक भारत के चीन और अमेरिका जैसी विश्व की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं को पीछे छोड़कर दुनिया के सबसे बड़े उपभोक्ता बाजार के रूप में उभर कर सामने आने की आशा व्यक्त की है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत के मध्यम वर्ग का दायरा काफी तेजी से बढ़ रहा है जिसके कारण बाजार तक पहुंच रखने वाले लोगों की संख्या भी बढ़ रही है। व्यापार की नीतियों में उदारीकरण और प्रत्यक्ष विदेशी निवेश बढ़ने का असर उपभोक्ता बाजार पर दिख रहा है, सूचना प्रौद्योगिकी सेवाओं और उत्पादों के निर्यात में बढ़ोत्तरी ने भी उपभोक्ता बाजार का आकार बढ़ाने में सहायता की है।

हमें राष्ट्र को आर्थिक, सामाजिक, वैज्ञानिक तथा सामरिक दृष्टि से सबल बनाना होगा। भारत को दुनिया का सिरमौर देखने की कामना करने वाले लोगों से अपेक्षा है कि वे जागे, कुछ नया और अनूठा करें। आनेवाली पीढियां तुम्हें निहार रही हैं। भारत का भविष्य अब युवाओं पर ही निर्भर है। उठो, जागो और समस्त दायित्व अपने कंधों पर ले लो। और जान लो कि तुम ही अपने भाग्य के विधाता हो। जितनी शक्ति और सहायता चाहिए वह सब तुम्हारे भीतर है। अतः अपना भविष्य स्वयं गढ़ों। मानव चिंतन के शीर्ष पर रहने वाला भारतीय समाज 300 वर्षों के अंतराल के बाद अपने ऐतिहासिक गौरव को फिर से पाने के पथ पर अग्रसर है। मध्यकाल में राह भटकने

राहुल गांधी को राजनीति के कुछ सबक सीखने होंगे

ललित गर्ग

कांग्रेस की उलटी गिनती का क्रम रूकने का नाम नहीं ले रहे हैं। महाराष्ट्र के नतीजे इसी बात को रेखांकित कर रहे हैं। राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस न तो भारतीय जनता पार्टी को टक्कर दे पा रही है और न ही देशहित के प्रभावी मुद्दे उठा पा रही है। देश में कॉर्पोरेट विरोधी जो एकसूत्री एजेंडा राहुल ने अपनाया है, या संविधान-रक्षा एवं धर्म-निरपेक्षता के नाम पर एक सम्प्रदाय-विशेष की जो राजनीति वह कर रहे हैं, उसके सकारात्मक परिणाम नहीं आ रहे हैं, उनके इन मुद्दों के पक्ष में वोट नहीं मिले हैं। निश्चित ही राष्ट्रीय राजनीति में अगर कोई एक चीज है, जो नहीं बदली है, तो वह है भाजपा को मात देने में कांग्रेस की अक्षमता। भाजपा से सीधी टक्कर में कांग्रेस की हार का औसत प्रतिशत बढ़ता ही जा रहे हैं। अब तो कांग्रेस के मुद्दों से इंडिया गठबंधन के सहयोग दल ही कांग्रेस से दूरी बना रहे हैं। भाजपा जब कांग्रेस से मुकाबले में होती है तब उसका प्रदर्शन सबसे अच्छा रहता है। जबकि क्षेत्रीय नेताओं के मुकाबले राहुल का जादू फीका पड़ता है। इसके उदाहरण हैं झारखंड के हेमंत सोरेन और बंगाल की ममता बनर्जी जिन्होंने उपचुनाव में सारी सीटें जीत ली। कांग्रेस के लिये जटिल से जटिलतर होते हालातों में केरल के वायनाड में प्रियंका गांधी वाड्रा की 4.1 लाख से अधिक वोटों के अंतर से हुई भारी जीत कांग्रेस पार्टी के लिये एक उत्साहजनक संदेश हो सकता है। निश्चित रूप से प्रियंका के राजनीतिक जीवन और कांग्रेस पार्टी के लिये यह एक महत्वपूर्ण क्षण है, लेकिन राहुल गांधी के नेतृत्व पर लगा अक्षमता एवं अपरिपक्व राजनीति का दाग इससे कैसे कम हो सकता है?

राहुल गांधी संसद के बाहर और भीतर दोनों जगह, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा पर पूरी तरह हमलावर रहते हैं, वे गैर-जरूरी मुद्दों को लेकर अक्सर संसद की कार्रवाई को बाधित करते हैं। अडाणी एवं कॉर्पोरेट विरोधी उनका एजेंडा देश की अर्थ-व्यवस्था के लिये कितना नुकसानदायी साबित होता रहा है, देश की जनता ने इसे महसूस किया है। राहुल दस साल से यह गलती कर रहे हैं और उनकी पार्टी इसकी कीमत चुका रही है। कांग्रेस और विशेष रूप से उसके नेता राहुल गांधी न जाने कब से अदाणी समूह को कोस रहे हैं। एक अमेरिकी अदालत के फैसले के बाद वह हाथ धोकर इस समूह के पीछे पड़ गए हैं, लेकिन शायद वह यह देखने से इन्कार कर रहे हैं कि इंडिया गठबंधन के सभी घटक दल कांग्रेस के इस रवैये से सहमत नहीं है। विभिन्न राज्यों में जहां-जहां इंडिया गठबंधन दलों की सरकारें हैं, वे ऐसे मुद्दों से दूरी बनाना चाहते हैं।

ममता बनर्जी ने जिस तरह यह कहा कि उनका दल कांग्रेस की ओर से उठाए गए किसी एक मुद्दे को प्राथमिकता नहीं देगा, उससे यही संकेत मिला कि वह नहीं चाहतीं कि अदाणी मामले को तूल दिया जाए। कांग्रेस को इसकी भी अनदेखी नहीं करनी चाहिए कि गत दिवस ही माकपा के नेतृत्व वाली केरल सरकार ने बंदरगाह के विकास के लिए अदाणी समूह के साथ एक पूरक समझौते को अंतिम रूप दिया। साफ है कि माकपा भी अदाणी मामले में कांग्रेस के रुख से सहमत नहीं। तेलंगाना सरकार ने अदाणी समूह के साथ एक समझौता कर रखा है और अतीत में राजस्थान की कांग्रेस सरकार ने भी राज्य में इस समूह के निवेश को हरी झंडी दी थी। आखिर राहुल गांधी इन स्थितियों को क्यों

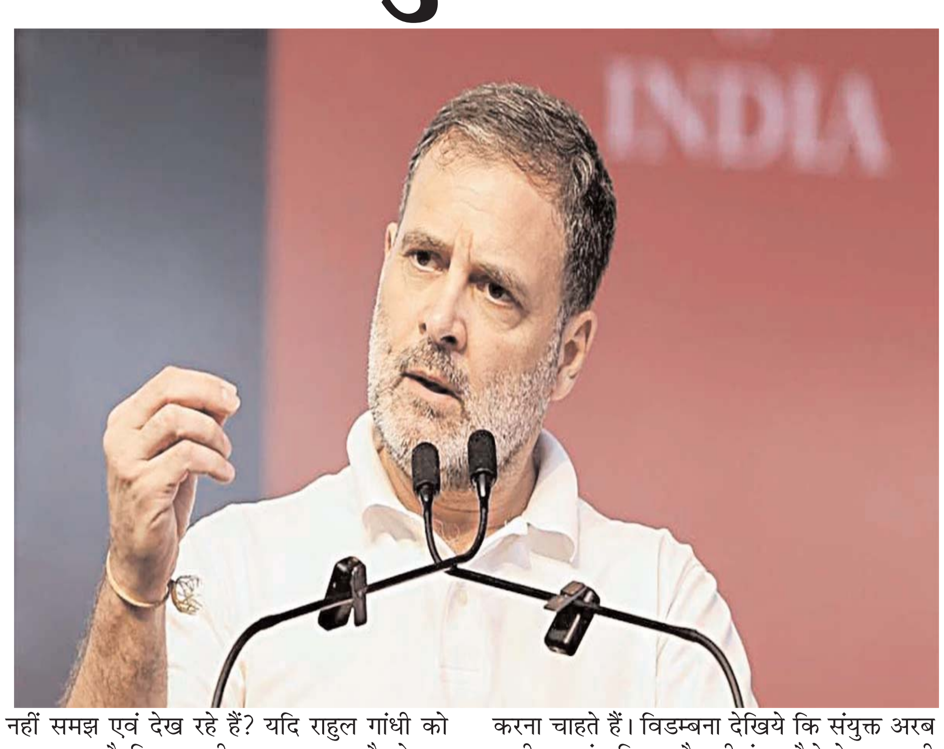

नहीं समझ एवं देख रहे हैं? यदि राहुल गांधी को यह लगता है कि अदाणी समूह दागदार है तो वह अपनी सरकारों को उससे कोई नाता न रखने के लिए क्यों नहीं कह पा रहे हैं? यह समझना भी कठिन है कि कांग्रेस अमेरिकी अदालत के आकलन को अंतिम सत्य की तरह क्यों ले रही है और वह भी तब, जब उसने रिश्वत के कथित लेन-देन के कोई प्रमाण नहीं पेश किए हैं?

नेशनल हेराल्ड मामले में जमानत पर चल रहे राहुल गांधी अपनी इस आक्रामकता से हासिल क्या करना चाहते हैं। विडम्बना देखिये कि संयुक्त अरब अमीरात, तंजानिया और श्रीलंका जैसे देश अदाणी समूह पर अमेरिकी अदालत की टिप्पणी को महत्व नहीं दे रहे हैं, लेकिन भारत में कांग्रेस के नेता और कुछ अन्य लोग उसे बिनी किसी जांच-पड़ताल दंडित करने को उतावले हैं। यह उतावलापन इसलिए भी ठीक नहीं, क्योंकि निवेशक अदाणी समूह पर भरोसा जता रहे हैं और इसी कारण उसके शेयरों में तथाकथित अमेरीकी कार्रवाई से भारी गिरावट के बाद पुनः तेजी देखने को मिल रही है।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष की भूमिका में राहुल गांधी जिस तरह की बातें कह एवं कर रहे हैं, निश्चित ही यह उनकी राजनीतिक अपरिपक्वता को ही दर्शा रहा है, वे लगातार विभाजनकारी राजनीति को प्रोत्साहन देते हुए भूल जाते हैं कि उनके ऊपर देश को तोड़ने नहीं, जोड़ने की जिम्मेदारी है। प्रश्न है कि कब राहुल गांधी इस महत्वपूर्ण एवं जिम्मेदारी वाले पद पर रहते हुए उसके साथ न्याय करेंगे? वे जानते नहीं कि वे क्या कह रहे हैं। उससे क्या नफा-नुकसान हो रहा है या हो सकता है।

हर जगह कांग्रेस अपने मजबूत सहयोगियों के बूते सीटें जीतने में कामयाब रही है। ओडिशा में कांग्रेस का वजूद खत्म हो चुका है। एक वक्त में पूर्वोत्तर के राज्यों में कांग्रेस का दबदबा था, लेकिन अब वहां भाजपा छाई हुई है। जबकि इन राज्यों की डेमोग्राफी कांग्रेस के पक्ष में हैं, लेकिन सरकारें भाजपा की है।

कांग्रेस मुद्दे नहीं तय कर पा रही है। बीजेपी हर राज्य के हिसाब से मुद्दे तय करती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हर सीट के हिसाब के मुद्दों के हिसाब से बोलते हैं। वहां के इतिहास, भूगोल, राजनीतिक परिस्थितियां सबको ध्यान में रख कर बोलते हैं। लेकिन कांग्रेस इसके हिसाब से मुद्दे और रणनीति तय नहीं कर पाती। बड़ा सवाल ये है कि लोकसभा चुनाव के नतीजों से उत्साहित दिख रही कांग्रेस इसके बाद एक भी राज्य का चुनाव क्यों नहीं जीत पाई। आखिर उसकी रणनीति में कहां खामी है और वो बार-बार कहां चूक रही है?

लगभग जीत के मुहाने पर खड़ी कांग्रेस को हरियाणा में हार का सामना करना पड़ा। कांग्रेस के साथ यही किस्सा अब राजनीतिक तौर पर देश के दूसरे बड़े अहम राज्य महाराष्ट्र में भी दोहराया गया।

छत्तीसगढ़ में 19 छात्राओं से शिक्षक ने की छेड़छाड़, छात्राएं बोलीं-बैड टच और अश्लील बातें करते थे, टीचर के साथ महिला हेडमास्टर भी सस्पेंड

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के सूरजपुर जिले में एक शिक्षक पिछले कुछ समय से 19 छात्राओं को गलत तरीके से छू रहा था। सोनगरा मिडिल स्कूल में पदस्थ टीचर उनसे अश्लील बातें कर रहा था। अब शिक्षक और स्कूल के हेडमास्टर को सस्पेंड कर दिया गया है। दोनों के खिलाफ भटगांव थाने में छेड़छाड़ और पॉक्सो एक्ट का केस भी दर्ज किया गया है। दरअसल, सूरजपुर बाल संरक्षण अधिकारी मनोज जायसवाल की टीम ने 10 दिन पहले सोनगरा हाईस्कूल परिसर में जागरूकता शिविर का आयोजन किया था। जिसमें टीम ने बैड टच, पॉक्सो एक्ट की जानकारी दी।

शिविर के बाद स्कूल की छात्राओं ने अपनी साथ हुई घटना की जानकारी बाल संरक्षण अधिकारी को दी। बाल संरक्षण अधिकारी मनोज जायसवाल ने इसकी सूचना सूरजपुर कलेक्टर को दी। जिसके बाद इसका खुलासा हुआ।

जानकारी के मुताबिक, टीचर सुमन कुमार रवि पर बैड टच करने और अश्लील बातें करने की शिकायत की थी। शिकायत की जांच के लिए सूरजुपर कलेक्टर ने प्रतापपुर एसडीएम ललिता भगत, बीईओ प्रतापपुर मन्नु धुर्वे, नायब तहसीलदार जरही सरिता राजवाड़े और जिला बाल संरक्षण अधिकारी मनोज जायसवाल के नेतृत्व में जांच टीम बनाई।

निजी अंगों को छूते थे, करते थे अश्लील बातें: कक्षा 6वीं से 8वीं कक्षाओं की 19 छात्राओं ने जांच टीम को बताया कि, टीचर सुमन कुमार लंबे समय से उन्हें गलत तरीके से छूते आ रहे। सीने और कमर को छूकर अश्लील बातें करते थे। छात्राओं की पीठ सहलाते थे। कई छात्राएं बयान देते हुए रोने लगीं। जिन छात्राओं ने छेड़छाड़ की शिकायत की है, उनकी उम्र 13 से 15 साल है। छात्राओं ने लिखित शिकायत में बताया कि, इसकी जानकारी उन्होंने स्कूल की प्रभारी हेडमास्टर अनिता बेग को दी, तो उन्होंने कहा कि वे टीचर को समझा देंगी। किसी से इसकी चर्चा न करें।

जांच प्रतिवेदन के बाद दोनों सस्पेंड: जांच टीम ने छात्राओं के लिखित बयान के साथ जांच प्रतिवेदन कलेक्टर सूरजपुर एस. जयवर्धन को पेश किया। इसके बाद टीचर सुमन कुमार रवि और प्रभारी हेडमास्टर अनिता बेग को सस्पेंड कर दिया गया है। हेडमास्टर अनिता बेग पर मामले को दबाने और छात्राओं की शिकायत के बाद भी टीचर को बचाने की कोशिश करने का आरोप है।

पुलिस ने दर्ज की एफआईआर, दोनों फरार: इस मामले में शिक्षा विभाग की जांच के बाद प्रतापपुर बीईओ ने शिकायत भटगांव थाने में दर्ज कराई है। पुलिस ने सुमन कुमार रवि (49 साल) और अनिता दोनों के खिलाफ धारा 74, 75, 79 और पॉक्सो एक्ट की धारा 8 के तहत केस दर्ज किया है। सूरजपुर एएसपी संतोष महतो ने बताया कि, महिला पुलिस अधिकारी छात्राओं का बयान लेंगी। दोनों शिक्षक फरार बताए गए हैं, जिनकी खोजबीन की जा रही है।

सुरक्षाबलों ने अमित शाह के दौरे से पहले 7 नक्सलियों को किया ढेर

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़-तेलंगाना बॉर्डर पर ग्रेहाउंड्स फोर्स ने महिला नक्सली समेत 7 नक्सलियों को मार गिराया है। जवानों ने मौके से एक-47 समेत अन्य हथियार भी बरामद किए हैं। बताया जा रहा है कि सुबह से दोनों तरफ से गोलीबारी हो रही थी। मामला तेलंगाना के मुलुगु जिले के ईटूनगरम थाना क्षेत्र का है। मिली जानकारी के अनुसार, मुठभेड़ के बाद सुरक्षाबलों ने सभी नक्सलियों के शव बरामद कर लिए हैं। इलाके में सर्च ऑपरेशन अभी भी जारी है। बताया जा रहा है कि नक्सली किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने की साजिश रच रहे थे, लेकिन जवानों ने मुठभेड़ में उन्हें ढेर कर दिया। इसी हफ्ते केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह भी बस्तर दौरे पर आने वाले हैं। मारे गए नक्सलियों की पहचान हो गई है। इनमें तेलंगाना स्टेट कमेटी मेंबर, डिविजनल कमेटी मेंबर, एरिया कमेटी मेंबर और पार्टी के 2 सदस्य शामिल हैं। सुरक्षाबलों ने सभी नक्सलियों के शव बरामद कर लिए हैं। प्रदेश में इस साल 207 से अधिकर नक्सली मारे गए हैं। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह दिसंबर के पहले सप्ताह में छत्तीसगढ़ आने वाले हैं। बस्तर में ओलिंपिक खेल कार्यक्रम के समापन समारोह में शामिल होंगे। साथ ही प्रशासनिक अधिकारियों से अमित शाह नक्सलवाद खात्मे की रणनीति को लेकर मीटिंग करेंगे। उससे पहले जवानों ने नक्सल ऑपरेशन तेज कर दी है।

पति को मारकर लाश के पास बैठी रही, नशे में विवाद, हथौड़े से वार

सुबह दुर्ग थाने में किया सरेंडर

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (एजेंसी)। दुर्ग में पत्नी ने पति की हत्या कर दी। बताया जा रहा है कि, पति आए दिन शराब पीकर झगड़ा करता था। शनिवार की रात भी इसी बात पर विवाद हुआ। विवाद बढ़ने पर महिला ने हथौड़े से पति के सिर पर हमला कर दिया।

हमले में पति की मौके पर मौत हो गई। महिला रातभर लाश के पास ही बैठी रही। इसके बाद खुद सुबह थाने पहुंचकर उसने सरेंडर कर दिया। घटना नवई थाना इलाके की है।

नेवई थाना प्रभारी आनंद शुक्ला ने बताया कि, गजेंद्र साहू (27 साल) पेशे से ट्रक ड्राइवर था। वो शराब पीने का भी आदी था। उसकी शादी 8 साल पहले राजनांदगांव के छुरिया निवासी नेमा साहू (24 साल) से हुई थी। शादी के बाद से ही गजेंद्र शराब पीकर उससे विवाद करता था।

बताया जा रहा है कि, शादी के बाद दोनों की एक बेटी और बेटा भी है। इसके बाद भी गजेंद्र ने शराब पीने की आदत नहीं छोड़ी। शनिवार देर रात वो शराब पीकर घर पहुंचा। रात 3 बजे नेमा अपने बच्चों के साथ सोई थी। इसी दौरान गजेंद्र उससे गाली गलौज करने लगा।

इस पर नेमा को काफी गुस्सा आ गया। दोनों के बीच विवाद इतना बढ़ गया कि नेमा ने कमरे में रखे हथौड़े से गजेंद्र के सिर पर वार कर दिया। नेमा सुबह तक घर में शव के साथ रही। रविवार सुबह वो थाने पहुंची और खुद को सरेंडर करते हुए बताया कि, उसने अपने पति को जान से मार दिया है।

सरेंडर के दौरान नेमा का बयान सुनते ही थाना प्रभारी, एएसपी सिटी सुखुनंदन राठौर, सीएसपी भिलाई नगर सत्य प्रकाश तिवारी मौके पर पहुंचे। उनके साथ फोरेंसिक की टीम भी पहुंची। कमरे का दरवाजा खोलकर देखा तो गजेंद्र की लाश पड़ी थी। पुलिस ने पंचनामा कर शव को पीएम के लिए भेज दिया है। पुलिस मामले में परिजनों से पूछताछ कर रही है।

रायपुर में जुआ और सट्टा के खिलाफ एक्शन 19 जुआरी और 3 सटोरियों को पुलिस ने दबोचा

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (एजेंसी)। रायपुर में जुआ-सट्टा के मामलों में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। पुरानी बस्ती पुलिस ने एक ठिकाने पर दबिश देकर 19 जुआरियों को गिरफ्तार किया है। वहीं तेलीबांधा पुलिस ने सट्टा खेलते 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने खुफिया सूचना मिलने के बाद छापेमारी कर यह कार्रवाई की है।

पहला एक्शन: शनिवार को पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि अच्छी तालाब बिजली खंभा के नीचे श्मशान घाट के पास भाटागांव में कुछ लोग जुआ खेल रहे हैं। इसके बाद पुलिस ने घेराबंदी कर आरोपियों को घेर लिया। आरोपियों के पास से पुलिस ने करीब 32 हजार रुपए और ताश पत्ती जब्त किया है। आरोपी के खिलाफ जुआ एक्ट के तहत अपराध दर्ज किया गया है।

01. टीकम कुमार गेंडरे पिता चेतराम डेंगरे उम्र 29 वर्ष निवासी ग्राम डोमा थाना मुजगहन जिला रायपुर छत्तीसगढ।

02. मुकेश कुमार साहू पिता तामेश्वर साहू उम्र 35 वर्ष निवासी ग्राम दतरेंगा थाना मुजगहन जिला रायपुर छत्तीसगढ़।

03. भोजराम धीवर पिता कुमार धीवर उम्र 27 वर्ष निवासी ग्राम दतरेंगा थाना मुजगहन जिला रायपुर छत्तीसगढ़।

04. भुवनेश्वर धीवर पिता फेंकलु धीवर उम्र 52 वर्ष निवासी ग्राम दतरेंगा थाना मुजगहन जिला रायपुर छत्तीसगढ़।

05. राजेंद्र कुमार साहू पिता चंद्र कुमार साहू उम्र 28 वर्ष निवासी अमलीडीही थाना न्यू राजेंद्र नगर जिला रायपुर छत्तीसगढ़

06. जयंत कुमार बांधे पिता राम बगस बांधे उम्र 24 वर्ष निवासी ग्राम दतरेंगा थाना मुजगहन जिला रायपुर छत्तीसगढ़

07. खाम सिंह उर्फ रोशन साहू पिता रोशन साहू उम्र 25 वर्ष निवासी अमलीडीही अमृत होम थाना न्यू राजेंद्र नगर जिला रायपुर छत्तीसगढ़।

08. सौरभ राजपूत पिता शंकर लाल राजपूत उम्र 34 वर्ष निवासी भाटागांव चंदन विहार कॉलोनी थाना पुरानी बस्ती जिला रायपुर छत्तीसगढ़।

09. सूर्यकांत पाल पिता विजयपाल उम्र 22 वर्ष निवासी महावीर नगर पुरैना स्कूल के पास थाना न्यू राजेंद्र नगर जिला रायपुर छत्तीसगढ़।

10. नारायण ढीमर पिता बुधराम ढीमर उम्र 55 वर्ष निवासी ग्राम दतरेंगा थाना मुजगहन जिला रायपुर छत्तीसगढ़।

11. जितेंद्र सोनकर पिता बैसाखू सोनकर उम्र 36 वर्ष निवासी ग्राम कंदूल थाना मुजगहन जिला रायपुर छत्तीसगढ़।

12. तोमलेश महिलांग पिता श्यामलाल महिलांग उम्र 22 वर्ष निवासी ग्राम दतरेंगा थाना मुजगहन जिला रायपुर छत्तीसगढ़।

13. डोमन निषाद पिता परदेसी राम निषाद उम्र 22 वर्ष निवासी न्यू राजेंद्र नगर बजाज कॉलोनी सेक्टर 2 थाना न्यू राजेंद्र नगर जिला रायपुर छत्तीसगढ़।

14. सुरेश कुमार साहू पिता खेमराम साहू उम्र 32 वर्ष निवासी महावीर नगर अमलीडीही थाना न्यू राजेंद्र नगर जिला रायपुर छत्तीसगढ़।

15. धर्मेंद्र साहू पिता सी. आर.साहू उम्र 44 वर्ष निवासी अमलीडीही बस्ती थाना न्यू राजेंद्र नगर जिला रायपुर छत्तीसगढ़।

16. प्रेम शंकर धीवर पिता हृदय लाल धीवर उम्र 45 वर्ष निवासी अमलीडीही बस्ती थाना न्यू राजेंद्र नगर जिला रायपुर छत्तीसगढ़।

17. दुर्गेश कोसरिया पिता एल.डी.कोसरिया उम्र 37 वर्ष निवासी अमलीडीही कृष्ण मंदिर के पास थाना न्यू राजेंद्र नगर जिला रायपुर

18. सुखराम नायक पिता कृपाराम नायक उम्र 49 वर्ष निवासी चांगोरा भाटा शीतला तालाब थाना डीडी नगर जिला रायपुर छत्तीसगढ़।

19. कल्याण साहू पिता डेरहा राम साहू उम्र 40 वर्ष निवासी ठाकुर देव पारा भाटागांव थाना पुरानी बस्ती जिला रायपुर छत्तीसगढ़।

दूसरा एक्शन: इसी तरह शनिवार को तेलीबांधा पुलिस को भी सूचना मिली कि तेलीबांधा क्षेत्र के गली नंबर 6 में एक दुकान के पास कुछ लोग सट्टा खिला रहे हैं। इसके बाद एंटी क्राइम यूनिट और तेलीबांधा पुलिस ने रेड मारकर आरोपियों को घेर लिया। इस कार्रवाई में तीन व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया है। सुरेश खेमानी पिता गिरधारी लाल खेमानी उम्र 52 साल निवासी गली नंबर 06 तेलीबांधा रायपुर। शिवदास चौहान पिता तुलाराम चौहान उम्र 72 साल निवासी महावीर नगर रायपुर। बसंत भागला पिता श्याम सुंदर भागला उम्र 65 साल निवासी गुलमोहर वार्ड रामनगर थाना गुढ़ियारी रायपुर।

छत्तीसगढ़ में देश का पहला वन मंदिर...राशि-ग्रह-नक्षत्र के पौधे

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिले के आवराभाटा में साढ़े 4 करोड़ रुपए की लागत से करीब 18 एकड़ में देश का पहला वन मंदिर बनाया गया है, जहां अलग-अगग थीम पर 7 वन बनाए गए हैं, जिसमें राशि, ग्रह, नक्षत्र के पौधे लगाए गए हैं। गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए योग और औषधि (हर्बल पौधे) की जानकारी है। इनमें सप्त ऋषि और पंचवटी वन भी है, जिसमें भगवान श्रीराम के वनवास काल का वर्णन है। साथ ही तितलियां, शेर, हाथी, भालू समेत कई जानवरों की 3ष्ठ पेंटिंग और पोस्टर भी हैं। डिजाइन ऐसा किया गया है कि मानों ये खुद अपना इंट्रो दे रहे हैं। बच्चों के एजुकेशन को ध्यान में रखते हुए आसान और सरल शब्दों में स्लोगन लिखे गए हैं। अब अफसरों का दावा है कि, ये देश का पहला वन मंदिर है। जहां शिक्षा से लेकर स्वास्थ्य और संस्कृति से संबंधित जानकारी मिल पाएगी। 2 दिसंबर को वन मंत्री केदार कश्यप इसका उद्घाटन करेंगे। वहीं 3 दिसंबर से आम नागरिकों के लिए ये वन मंदिर खुल जाएगा। वन मंदिर में वन विभाग की टीम ने जानवरों और उनके प्रजातियों के बारे में भी जानकारी दी है। अफसरों का दावा है कि यहां जिस तरह से 3ष्ठ पोस्टर में जानवरों का जिक्र है ष्ठत्र में ऐसा कहीं नहीं है, जो बेहद ही आकर्षित करने वाला है। इसके साथ ही बच्चों के मनोरंजन के लिए यहां चिल्ड्रन्स पार्क भी है। वन मंदिर में आने वाले पर्यटकों को टिकट भी देना होगा। हालांकि, इसके लिए बेहद ही नॉमिनल पैसे लिए जाएंगे। साथ ही यहां स्व सहायता समूह की महिलाओं को रोजगार मिलेगा। इसके अलावा कैफेटेरिया में बस्तरिया व्यंजन परोसे जाएंगे। दंतेवाड़ा डीएफओ की माने तो यहां जू की प्लानिंग भी की जा रही है। सब कुछ ठीक रहा और सरकार से सहयोग मिला तो इस पर भी काम किया जाएगा। वहीं एडवेंचर्स गेम्स के लिए भी काम होंगे।

हमें विकसित भारत और विकसित छत्तीसगढ़ बनाने के लिए प्रयास करना होगा

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (एजेंसी)। भरतपुर के हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में जनोन्मुखी प्रशासन सुशासन की व्यवस्था को प्राप्त करने विकास खण्ड स्तरीय समन्वय एवं मार्गदर्शी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में सरगुजा आयुक्त गोविंदराम चुरेंद्र ने सभी अधिकारी-कर्मचारी और जनप्रतिनिधियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आज "जनोन्मुखी प्रशासन और सुशासन" की व्यवस्था को सुदृढ़ करने हेतु विकासखंड स्तरीय समन्वय एवं मार्गदर्शी बैठक का आयोजन किया गया है। उन्होंने कहा कि सरकार की योजनाओं को सुचारू रूप से लागू करने और विकसित भारत की ओर बढ़ने के लिए सभी को मिलकर कार्य करना होगा। उन्होंने कहा कि हमारे समाज में विभिन्न विचारधाराओं और व्यवस्थाओं का बंटवारा हो रहा है। जैसा कर्म करेंगे, वैसा ही परिणाम प्राप्त होगा। आयुक्त ने जनकपुर, भरतपुर और मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिलों के सभी अधिकारियों, कर्मचारियों, जनप्रतिनिधियों और समाज के लोगों से अपील की कि समाज को नशा मुक्त बनाने के लिए सामूहिक प्रयास किए जाने कहा। उन्होंने विशेष रूप से महिलाओं से आग्रह किया कि घरों में शराब बनाना बंद करें, क्योंकि इससे परिवार की आर्थिक और सामाजिक स्थिति खराब होती है। आयुक्त ने बताया कि 97 प्रतिशत लोग शराब के कारण कर्जदार हैं और इसके नकारात्मक प्रभाव परिवार और बच्चों पर पड़ रहे हैं। उन्होंने सुझाव दिया कि हर पंचायत में सरपंच, सचिव, ग्राम पटेल और जनप्रतिनिधियों के साथ मिलकर महिलाओं के समूह बनाएं और नशा मुक्ति जागरूकता अभियान चलाएं। तभी हम विकसित भारत और विकसित छत्तीसगढ़ की ओर बढ़ पाएंगे। आयुक्त ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय प्रतिदिन 16-16 घंटे कार्य कर रहे हैं। हमें भी प्रेरणा लेते हुए कम से कम 12 घंटे कार्य करने की आवश्यकता है। उन्होंने एमसीबी जिले को हर हाल में आगे बढ़ाने के लिए सामूहिक सहयोग की आवश्यकता पर बल दिया ताकि समाज और राज्य को विकसित किया जा सके। आयुक्त ने "स्वच्छता ही सेवा" अभियान के तहत अपने घरों, आंगन, नालियों और शौचालयों को साफ रखने का संदेश दिया। उन्होंने अधिकारियों, कर्मचारियों और जनप्रतिनिधियों से कार्यालय परिसर को स्वच्छ और सुंदर बनाए रखने के लिए विशेष ध्यान देने को कहा। आयुक्त ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में कार्य करना केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं है। इसमें सभी अधिकारी, कर्मचारी, जनप्रतिनिधि, सरपंच, सचिव और सामाजिक कार्यकर्ताओं की भागीदारी जरूरी है। उन्होंने भरतपुर के स्कूलों में शिक्षकों की कमी को दूर करने के लिए शिक्षित युवाओं को "शिक्षा मित्र" "शिक्षा दूत" तथा मानसेवी शिक्षक के रूप में शामिल करने की योजना सुझाई। यह कदम युवाओं को आत्मनिर्भर बनाएगा और उन्हें अनुभव के साथ सरकारी नौकरी में लाभ देगा।

आयुक्त ने प्रधानमंत्री जनमन योजना के तहत बैगा समुदाय के लिए आवास, आयुष्मान कार्ड और किसानों के लिए अन्य योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने सभी अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों को जिम्मेदारी से योजनाओं का क्रियान्वयन करने का निर्देश दिया।

आयुक्त ने "नारी सम्मान सुरक्षा योजना" के तहत महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने और पुरुषों के साथ तालमेल मिलाकर काम करने की अपील की। मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना पर चर्चा करते हुए उन्होंने समाज के सभी वर्गों से मिलकर ग्राम सभा में धन और सामग्री का योगदान करने का सुझाव दिया, ताकि पंचायत की आर्थिक स्थिति सुधरे और विवाह जैसे कार्यक्रम आसानी से आयोजित किए जा सकें। आयुक्त ने गांव के छोटे-बड़े मुद्दे ग्राम सभा में सुलझाने की बात कही। ग्राम पंचायतों में न्याय समिति गठित करने और कब्जाधारियों को हटाकर हाट बाजार, कुटीर उद्योग या गार्डन विकसित करने के निर्देश दिए। आयुक्त ने मनरेगा के तहत मेड़बंधी की राशि का उपयोग खेती के लिए जमीन तैयार करने में करने का सुझाव दिया। उन्होंने किसानों को क्रेडिट कार्ड लोन दिलाने और फूल, सब्जी, दाल, दलहन और गन्ने की खेती को प्रोत्साहित करने के निर्देश दिए।

उन्होंने जमीन के नामांतरण और फौती प्रक्रिया को सुचारू बनाने के लिए तहसीलदार, पटवारियों और कोटवारों को अपने कार्य सही ढंग से निभाने का निर्देश दिया। इस समन्वय बैठक का उद्देश्य समाज, पंचायत और प्रशासन के बीच तालमेल स्थापित कर योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करना और एक सशक्त और विकसित छत्तीसगढ़ का निर्माण करना है।

इस कार्यक्रम में जनपद अध्यक्ष राजकुमारी बैगा, जनपद उपाध्यक्ष दुर्गा शंकर मिश्रा, जनपद सीईओ प्रीतेश राजपूत, जनपद सदस्य माया प्रताप सिंह परस्ते, सरपंच बृजभूषण सिंह, समाज प्रमुख हीरालाल यादव, पवन सांधे, बृजभूषण सिंह, मायाप्रताप सिंह, रूपा जायसवाल, महेंद्र सेन, कमलेश बसंत, आदित्य गुप्ता, राममिलन वर्मा, शिवचरण सिंह, चंद्रप्रताप बालंद जगदीश भर्तियां, लालसाय बैगा, नरेश यादव और सभी सामाजिक कार्यकर्ता और जनप्रतिनिधियों के साथ नितेश उपाध्याय परियोजना निदेशक क्त्व्।, तहसीलदार सतरूपा, एसडीएम प्रवीण भगत के साथ सभी अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

छत्तीसगढ़ के जंगल में मिली पति-पत्नी की लाश

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले के जंगल में शनिवार शाम पति-पत्नी की सड़ी गली लाश मिली है। बताया जा रहा है कि दोनों दशगात्र कार्यक्रम में गए थे, जिसके बाद से वह लापता थे। आत्महत्या की आशंका जताई जा रही है। मामला कटघोरा थाना इलाके के गुरुडुमुड़ा गांव का है। मिली जानकारी के मुताबिक दोनों शवों की पहचान आनंदकुंवर अगरिया (55 साल) और पति चरण साय अगरिया (65 साल) के रूप में हुई है। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है।

महिला गांव घरीपखना की निवासी थी और शादी के बाद कोरबा ब्लॉक के ग्राम तिलईडांड के पंडरीपानी में रहती थी। कुछ दिनों पहले महिला के भाई का दशगात्र कार्यक्रम था, जिसमें शामिल होने दोनों पति-पत्नी आए हुए थे। 5 नवंबर को दशगात्र कार्यक्रम से वे ग्राम पंडरीपानी के लिए निकले थे, लेकिन घर नहीं पहुंचे। लापता होने के 15 दिन बाद शनिवार शाम गुरुडुमुडा के जंगल में सड़ी-गली हालत में दोनों की लाश मिली। जानकारी के मुताबिक दोनों के कोई बच्चे नहीं है। ग्रामीणों ने जंगल में लाश मिलने की सूचना कटघोरा पुलिस को दी। सूचना मिलने पर एएसपी यूबीएस चौहान, कटघोरा थाना प्रभारी धर्मनारायण तिवारी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। फोरेंसिक टीम को भी बुलाया गया। आसपास के ग्राम पंचायतों के सरपंच और ग्रामीणों से पूछताछ की गई। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक यूबीएस चौहान ने बताया कि कड़ी मशक्कत के बाद ग्रामीणों की मदद से पहचान करवाई की गई। दोनों का मोबाइल बंद आ रहा था। घटनास्थल के पास से एक बैग और छोटी बोतल भी बरामद की गई है। प्रथम दृष्टि से सुसाइड का मामला नजर आ रहा है। सभी पहलुओं पर जांच की जा रही है।

दहेज प्रथा पर प्रहार व सामाजिक समता का प्रतीक है सामूहिक विवाह कार्यक्रमः योगी

गोरखपुर(एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रदेश सरकार के समाज कल्याण विभाग की तरफ से होने वाला मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह कार्यक्रम एक तरफ सामाजिक समता का प्रतीक हैं तो वहीं दूसरी तरफ यह समाज की बड़ी विकृति दहेज प्रथा पर कड़ा प्रहार भी है। योगी रविवार को हिंदुस्तान उर्वरक एवं रसायन लिमिटेड (खाद कारखाना) के परिसर में 1200 जोड़ों के मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा,सामूहिक विवाह कार्यक्रम में जाति, मत, मजहब, क्षेत्र, का कोई बंधन नहीं है। हिंदू, मुस्लिम या अन्य मतावलंबी, सभी अपनी-अपनी परंपरा के अनुरूप विवाह के पवित्र बंधन में जुड़ रहे हैं। योगी ने कहा, साथ ही यह कार्यक्रम दहेज, बाल विवाह और अस्पृश्यता के खिलाफ सरकार द्वारा शुरू की गई एक लड़ाई और अभियान भी है। मुख्यमंत्री योगी ने कार्यक्रम में कहा कि कई बार दहेज के कारण योग्य कन्याएं विवाह बंधन से नहीं जुड़ पाती थीं, ऐसे में सामूहिक विवाह कार्यक्रम से जुड़ने वाले सभी युवक-युवतियों ने दहेज लेने और देने को न कर समाज में आदर्श प्रस्तुत किया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत वर्ष 2017 से अब तक सात वर्ष में तीन लाख 84 हजार शादियां करा चुकी है।

बीएसएफ ने कश्मीर में मनाया स्थापना दिवस

श्रीनगर(एजेंसी)। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) कश्मीर फ्रंटियर ने रविवार को अर्धसैनिक बल का 60वां स्थापना दिवस मनाया और घाटी में कई कार्यक्रमों का आयोजन किया। पिछले कुछ वर्षों में बीएसएफ ने खुद को एक विशिष्ट बल के रूप में स्थापित किया है, जो सीमा प्रबंधन, आतंकवाद विरोधी अभियान, आंतरिक कानून व्यवस्था और देश में नक्सल विरोधी अभियानों में उत्कृष्ट रहा है।

कागजों में चल रहा है नशा मुक्ति अभियानः सैलजा

चंडीगढ़(एजेंसी)। कांग्रेस महासचिव और सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने रविवार को आरोप लगाया नशे के प्रकोप से जूझ रहे हरियाणा में नशा मुक्ति अभियान केवल कागजों में चल रहा है और अधिकांश नशा मुक्ति केंद्र बजट व स्टाफ के अभाव में नाम भर को रह गए हैं। उन्होंने यहाँ जारी बयान में कहा कि 22 में से 16 जिले नशे की चपेट में है और सरकारी रिकॉर्ड में कहने को 120 नशा मुक्ति केंद्र हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि नशा मुक्ति केंद्रों में न तो डॉक्टर है न अन्य स्टाफ है, न ही उनका बजट जारी किया जा रहा है इतना ही नहीं अधिक केंद्र किराये के भवन में चल रहे हैं।

प्रधानमंत्री के नेतृत्व में एड्स के खिलाफ एकजुट होकर जारी है लड़ाई : मुख्यमंत्री

भोपाल (एजेंसी)। केन्द्रीय लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्री जे.पी. नड्डा और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की उपस्थिति में रविवार को इंदौर में विश्व एड्स दिवस का राष्ट्रीय आयोजन हुआ। केन्द्रीय मंत्री श्री नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में एड्स के खिलाफ भारत में एकजुट होकर लड़ाई लड़ी जा रही है। इसमें आशातीत सफलता भी मिल रही है। देश में एचआईवी/एड्स नियंत्रण के लिये संकल्पबद्ध होकर तेजी से प्रयास किये जा रहे है। इसके सार्थक परिणाम भी मिल रहे है। एचआईवी/एड्स प्रभावितों के अधिकारों की रक्षा की जा रही है। उन्हें समाज की मुख्य धारा से जोड़ा जा रहा है। केन्द्र सरकार द्वारा 2017 से एचआईवी/एड्स नियंत्रण के लिये तेजी से प्रयास शुरू किये गये हैं।

केन्द्रीय मंत्री श्री नड्डा ने कहा कि सतत् विकास लक्ष्य को प्राप्त करने के लिये सभी का सहयोग जरूरी है। एचआईवी से प्रभावित व्यक्तियों को मौलिक अधिकारों के साथ उन्हें मानव अधिकार भी प्राप्त हो। उनके साथ किसी भी तरह का भेदभाव नहीं किया जाना चाहिए। हमें उनके अधिकारों का सम्मान करते हुए उन्हें भी वहीं मान-सम्मान देना चाहिए, जो अन्य सामान्य व्यक्ति को हम देते हैं, जिससे वे सामान्य जीवन जी सकें। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार द्वारा एचआईवी/एड्स से प्रभावित लोगों की संख्या में कमी लाने और मृत्यु की संख्या को कम करने के लिये

सतत विकास लक्ष्य निर्धारित किये है। यह लक्ष्य वर्ष 2030 तक पूर्ण कर लिया जायेगा। केन्द्रीय मंत्री श्री नड्डा ने समाज के सभी वर्गों का आहवान किया कि वे इस दिशा में लक्ष्य को प्राप्त करने के लिये पुनः संकल्प बद्ध होकर नई ऊर्जा और नई स्फूर्ति से जुट जाये।

केन्द्रीय मंत्री श्री नड्डा ने कहा कि एचआईवी और एड्स (रोकथाम और नियंत्रण) अधिनियम-2017 लागू किया गया। इस अधिनियम के माध्यम से एचआईवी/एड्स के प्रसार को रोकने और नियंत्रित करने में मदद मिल रही है। इस अधिनियम से एचआईवी/एड्स से संक्रमित और प्रभावित व्यक्तियों के कानूनी और मानवाधिकारों को सुदृढ़ बनाया गया है। यह अधिनियम स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं के अधिकारों की रक्षा करने का भी प्रयास है। उन्होंने कहा कि एचआईवी/एड्स से प्रभावित व्यक्तियों का निःशुल्क इलाज किया जा रहा है। भारत ने स्वास्थ्य सेवाओं, इलाज, चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में विश्व में नयी पहचान कायम की है। कोरोना प्रबंधन हो या अनेक संक्रामक बीमारियों के इलाज के लिये टीकों और दवाईयों की खोज हो, देश का विश्व में अग्रणी स्थान बना है। उन्होंने स्वास्थ्य सेवाओं और चिकित्सा शिक्षा के विस्तार की दिशा में मध्यप्रदेश की सराहना करते हुए कहा कि यह प्रदेश देश में इस क्षेत्र में अग्रणी है। मध्यप्रदेश में तेजी से नए मेडिकल कॉलेज खोले गये है।

केन्द्रीय मंत्री श्री नड्डा ने कहा कि मध्यप्रदेश चिकित्सा शिक्षा एवं स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार में देश में सबसे आगे है और सबसे तेजी से आगे बढ़ रहा है। इसके लिये उन्होंने मध्यप्रदेश की सराहना भी की। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश में तेजी से नये मेडिकल कॉलेज खोले गये है, आगे भी नए मेडिकल कॉलेज खोले जायेंगे। भोपाल में एम्स की स्थापना भी की गई है। मेडिकल कॉलेजों में सीटों की संख्या बढ़ाई गई है। आयुष्मान भारत योजना के क्रियान्वयन में भी मध्यप्रदेश देश में अव्वल है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विश्व एड्स दिवस के अवसर पर इंदौर में यह कार्यक्रम आयोजित करने के लिये केन्द्रीय मंत्री श्री नड्डा के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इस आयोजन से समुदायों, युवाओं, लाभार्थियों और विभिन्न संगठनों को एक साथ लाकर वर्ष 2030 तक एचआईवी/एड्स को समाप्त करने के वैश्विक लक्ष्य को प्राप्त करने, चुनौतियों का समाधान करने में मददगार होगा। हमारा प्रयास होगा की यूएन की थीम, फ्टेक द राइट्स पाथफ्र के अनुरूप कार्य कर वर्ष 2028 तक वैश्विक लक्ष्य को प्राप्त किया जाये। ऐसे कार्यक्रमों से समाज में जागरूकता आयेगी। एचआईवी/एड्स की जंग में संघर्ष करने में मदद मिलेगी। समाज को साथ में लाकर एचआईवी/एड्स के खिलाफ जंग में जागरूकता लाई जायेगी।

मुख्यमंत्री आतिशी ने की बस मार्शलों की फिर से नियुक्ति की मांग, दिल्ली एलजी को लिखा पत्र

नयी दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने रविवार को उपराज्यपाल वी.के. सक्सेना को पत्र लिखकर आग्रह किया कि महिला यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए राजधानी की बसों में मार्शल की पुनः नियुक्ति की जाए। मुख्यमंत्री ने दिल्ली के सार्वजनिक परिवहन को महिलाओं के लिए सुरक्षित बनाने में मार्शलों की भूमिका पर प्रकाश डाला। आतिशी ने पत्र में लिखा, "जब तक मार्शल तैनात नहीं हुए थे तो बसों में यात्रा के दौरान महिलाओं को हर दिन परेशानी झेलनी पड़ती थी। कई महिलाओं को सुरक्षा का डर था और

कई महिलाओं को उत्पीड़न या छेड़छाड़ का सामना करना पड़ा। बसों में 10,000 से अधिक मार्शल की तैनाती ने इस माहौल को बदला। पत्र में दावा किया गया कि दिल्ली सरकार द्वारा तैनात मार्शल बदमाशों को पकड़ने और छेड़छाड़ तथा उत्पीड़न की घटनाओं को रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते थे, लेकिन 31 अक्टूबर 2023 को उन्हें अचानक हटा दिया गया और उनका वेतन रोक दिया गया। मुख्यमंत्री कहा कि यह "साजिश" का हिस्सा है। आतिशी ने दिल्ली सरकार के कुछ अधिकारियों पर सुरक्षा उपायों को खोखला करने के लिए केंद्र के इशारे पर काम करने का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि इन अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई करने की जगह उन्हें उच्च पदों पर तैनात किया गया।

मुरैना में पशुपतिनाथ मेला दस दिसंबर से

मुरैना (एजेंसी)। मध्यप्रदेश के मुरैना में नगर निगम की ओर से प्रति वर्ष आयोजित किए जाने वाला प्राचीन श्री पशुपतिनाथ मेला इस वर्ष दस दिसंबर से आयोजित किया जाएगा। यह मेला पूर्व में बीस नवंबर से पच्चीस दिसंबर तक आयोजित किया जाता रहा है। लेकिन इस बार इसकी तिथि परिवर्तित की गयी है। मेले का भूमिपूजन नगर निगम की महापौर श्रीमती शारदा सोलंकी ने मेला प्रांगण में स्थित भगवान श्री पशुपतिनाथ महादेव मंदिर में विधिवत पूजा अर्चना कर कल किया।

जबरन किसी का धर्मांतरण न हो, ऐसा होना ही चाहिए कानून- शेखावत

जोधपुर (एजेंसी)। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने राजस्थान सरकार के लाए जा रहे धर्मांतरण कानून का स्वागत करते हुए ने कहा है कि जबरन किसी का भी धर्मांतरण न हो, निश्चित रूप से ऐसा कानून होना ही चाहिए। हम सब लोग राजस्थान सरकार के इस निर्णय के साथ हैं। अपने गृह जो जोधपुर पहुंचे श्री शेखावत ने रविवार को मीडिया से बातचीत में यह बात कही। उन्होंने कहा कि प्रलोभन के आधार पर और जबरन धर्मांतरण न हो, राजस्थान में इस तरह का कानून राज्य सरकार लेकर आ रही है, वह इसका स्वागत करता हैं। कांग्रेस के इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) पर उंगली उठाने के सवालों पर श्री शेखावत ने कहा कि झारखंड और जिन सीटों पर वो जीते हैं, पहले उसका स्पष्टीकरण दे दें। यह सब खिसियानी बिल्ली खंभा नोंचे जैसी स्थिति है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह और मैंने भी मतगणना से पहले कहा था कि परिणाम के दिन शाम तक ईवीएम बदनाम हो जाएगी। ईवीएम को बदनामी मिल रही है। आने वाले समय में वो जब चुनाव हारेंगे, तब ईवीएम को इसी तरह से कोसेंगे। राजस्थान में उपचुनाव परिणाम को लेकर श्री शेखावत ने कहा कि उन्होंने पहले ही कहा था कि हम एक से अनेक होने वाले हैं। कांग्रेस, उसकी विचारधारा, नेतृत्व को देश-प्रदेश की जनता ने पूरी तरह से नकार दिया है। यह विभाजनकारी राजनीति करने वाले लोग हैं। इनकी चाल, चरित्र और चेहरे बेनकाब हो गए हैं। राजस्थान और देश की जनता इनको कभी अवसर नहीं देगी। प्रयागराज में आगामी जनवरी-फरवरी में आयोजित होने जा रहे महाकुम्भ पर श्री शेखावत ने कहा कि महाकुम्भ दुनिया का मनुष्यों का सबसे बड़ा समागम है।

जांच जारी रहेगी, कड़ी सुरक्षा के बीच न्यायिक आयोग के सदस्यों ने किया संभल में हिंसा प्रभावित इलाकों का दौरा

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के संभल में पिछले महीने शाही जामा मस्जिद के सर्वे के दौरान हुई हिंसा की जांच चल रही है। इसके लिए तीन सदस्यीय न्यायिक जांच समिति गठित की गयी थी, जिसमें रविवार को इलाके का दौरा किया। आयोग के प्रमुख एवं इलाहाबाद उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश देवेंद्र कुमार अरोड़ा और सेवानिवृत्त आईपीएस अधिकारी अरविंद कुमार जैन ने कड़ी सुरक्षा के

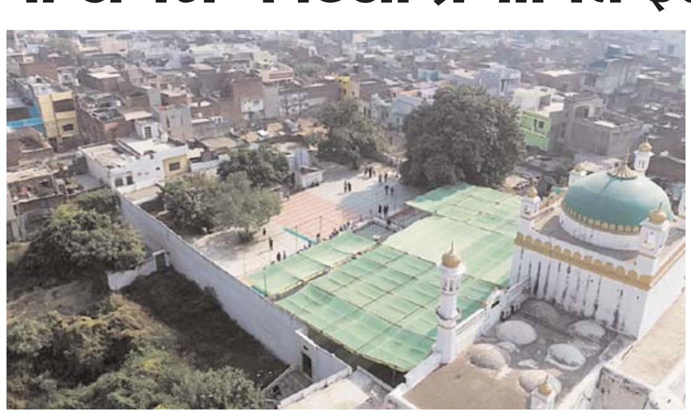

बीच मस्जिद सहित शहर के हिंसा प्रभावित इलाकों का दौरा किया। आयोग के तीसरे सदस्य पूर्व आईएएस अधिकारी अमित मोहन प्रसाद रविवार के दौरे के दौरान मौजूद नहीं थे।

अरोड़ा और जैन के साथ मुरादाबाद के मंडलायुक्त आंजनेय कुमार सिंह, पुलिस उपमहानिरीक्षक मुनिराज जी, संभल के जिलाधिकारी राजेंद्र पेंसिया और पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार भी थे।

आम आदमी पार्टी की शिक्षा नीति के खिलाफ बवाना में भाजपा का हल्ला बोल

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली विधानसभा चुनाव को लेकर इन दिनों सियासी सरगर्मियां तेज हैं। दिल्ली की आम आदमी पार्टी की सरकार राज्य में चुनावों से पहले अपनी शिक्षा नीति का ढिंढोरा चारों तरफ पीट रही है। इसके विपरीत भारतीय जनता पार्टी ने शनिवार को दिल्ली के बवाना के दरियापुर में एक सरकारी स्कूल में आम आदमी पार्टी की सरकार के खिलाफ रैली करते हुए धरना दिया।

इस रैली में पहुंचे भाजपा कार्यकर्ताओं ने अरविंद केजरीवाल के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। इस दौरान बड़ी संख्या में भाजपा के कार्यकर्ता सहित पदाधिकारी, दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष और रोहिणी से भाजपा के विधायक विजेंद्र गुप्ता, सांसद योगेंद्र चांदोलिया मौजूद रहे। इस दौरान विजेंद्र गुप्ता और सांसद योगेंद्र चांदोलिया ने आप सरकार और केजरीवाल पर जमकर निशाना साधा।

इस मौके पर विजेंद्र गुप्ता ने आईएएनएस से बात करते हुए कहा, दिल्ली सरकार की झूठी शिक्षा की पोल खोल अभियान की शुरुआत हमने बवाना गांव से की है। हम लोगों को बता रहे हैं कि यह लोगों को धोखा दे रहे हैं। यह हर साल शिक्षा के नाम पर 17 हजार करोड़ की लूट कर रहे हैं। इसका परिणाम यह है कि पिछले 2 साल में 9वीं और 11वीं में 3 लाख बच्चे फेल किए गए हैं। दिल्ली सरकार ने 29 प्रतिभा विकास विद्यालय बंद कर दिए। इसके अलावा बवाना के इस स्कूल, जिसमें हम यह रैली कर रहे हैं, इसका उद्घाटन जून 2023 में अरविंद केजरीवाल ने खुद किया था। उन्होंने कहा, इस स्कूल में दो साल में एक भी बच्चे ने दाखिला नहीं लिया है। न कोई स्टाफ है, न प्रिंसिपल है। सारे कमरे बंद हैं।

वायनाड जनसभाओं में प्रियंका गांधी ने जनता से किए कई वादे

वायनाड (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने रविवार को वायनाड के मनंतवाडी में एक सभा को संबोधित करते हुए भाजपा की केंद्र सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने जनता से कहा कि आज लड़ाई उस ताकत के खिलाफ है जो लोगों के अधिकारों को कमजोर कर उन्हें कुछ कारोबारी मित्रों को सौंप रही है। उन्होंने कहा, आज हम अपने राष्ट्र की भावना के लिए, भारत की आत्मा के लिए लड़ रहे हैं। यह लड़ाई इस देश की शक्ति और संसाधनों पर उसके लोगों का अधिकार सुनिश्चित करने के लिए है। प्रियंका ने 30 जुलाई को वायनाड में हुए भीषण भूस्खलन को याद किया। उन्होंने कहा कि जब भी कोई त्रासदी होती है, हम पूरे भारत में जाते हैं, लोगों से मिलते हैं। लेकिन, यहां आकर मैंने जो दर्द और पीड़ा देखी, वह शायद ही कभी देखी हो। प्रकृति का प्रकोप एक छोटे से क्षेत्र में केंद्रित हो गया था। क्षेत्र के

सभी मकान बह गए, सभी परिवार विस्थापित हो गए, सभी आजीविकाएं खत्म हो गईं। लेकिन फिर भी इस तबाही के बीच, और इस दर्द व पीड़ा के बीच मैंने आप सभी की मानवता देखी। कांग्रेस महासचिव ने जनता से कहा कि मैं चाहती हूं कि आप में से हर कोई यह जान ले कि आप मेरी जिम्मेदारी हैं। मैं आपके प्यार को पूरी गंभीरता से लेती हूं और अगले पांच वर्षों में आपके भविष्य को बेहतर बनाने के लिए लड़ाई लड़ना मेरा कर्तव्य है।

बता दें, उपचुनाव जीतने के बाद प्रियंका पहली बार वायनाड पहुंची थीं। प्रियंका ने कहा कि वह उन्हें मिले प्यार और स्नेह के प्रति आभार व्यक्त करने के लिए दो दिन के लिए यहां आई हैं। उन्होंने कहा कि यहां से जाने के बाद उनका असली काम शुरू होगा। उन्होंने जनता से कहा कि हम आपकी सभी समस्याओं को हल करने के लिए मिलकर काम करेंगे। इसके अलावा प्रियंका ने लोगों से यह भी कहा कि उनका सबसे पहला काम मलयालम सीखना है। प्रियंका ने कहा, कल ऐसी ही एक सभा में, लोगों के बीच से किसी ने मुझसे कहा कि आप वादा कीजिये कि आप फिर आएंगी। इसलिए मैं वादा करती हूं कि मैं इतनी बार आऊंगी कि आप मुझसे ऊब जाएंगे। इसलिए कृपया मुझे देखने की आदत डाल लीजिए। सुल्तान बाथरी में अपने संबोधन में कांग्रेस सांसद ने आरोप लगाया कि भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने चार महीने पहले वायनाड में हुए भीषण भूस्खलन का राजनीतिकरण किया।

दिल्ली में लगातार आठवें दिन 'बेहद खराब' श्रेणी में रही वायु गुणवत्ता

नयी दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय राजधानी में जहरीली हवा का प्रकोप जारी है और रविवार को लगातार आठवें दिन वायु गुणवत्ता 'बेहद खराब' श्रेणी में रही। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के आंकड़ों के अनुसार, सुबह नौ बजे वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 329 रहा, जो शनिवार के 24 घंटे के औसत 346 से थोड़ा कम है। हर घंटे आंकड़े प्रदान करने वाले 'समीर' ऐप के अनुसार, शहर के 38 निगरानी स्टेशन में से 23 स्टेशन में एक्यूआई 'बेहद खराब' श्रेणी में दर्ज किया गया। शून्य से 50 के बीच एक्यूआई को 'अच्छा', 51 से 100 को 'संतोषजनक', 101 से 200 को 'मध्यम', 201 से 300 को 'खराब', 301 से 400 को 'बेहद खराब' और 401 से 500 को 'गंभीर' माना जाता है। इस बीच,

भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, न्यूनतम तापमान 11 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इसके अलावा सुबह 8:30 बजे आर्द्रता का स्तर 93 प्रतिशत दर्ज किया गया। विभाग के अनुसार अधिकतम तापमान 27 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की उम्मीद है।

केन विलियमसन ने रचा इतिहास, टेस्ट क्रिकेट में पूरे किए 9000 रन, बना डाला विराट रिकॉर्ड

नई दिल्ली (एजेंसी)। न्यूजीलैंड और इंग्लैंड के बीच तीन टेस्ट मैचों की सीरीज खेली जा रही है. इस सीरीज का पहला मैच 28 नवंबर को शुरू हुआ था, जो 2 नवंबर तक खेला जाना है. यह टेस्ट मैच क्राइस्टचर्च के हेगले ओवल में खेला जा रहा है. इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट मैच में न्यूजीलैंड के बल्लेबाज केन विलियमसन ने पहली पारी में शानदार पारी खेली. जिसकी बदौलत विलियमसन ने एक बड़ा इतिहास रच दिया है, जो आज तक न्यूजीलैंड का कोई भी खिलाड़ी नहीं कर पाया है.

इंग्लैंड के खिलाफ खेले जा रहे टेस्ट मैच में न्यूजीलैंड के अनुभवी बल्लेबाज केन विलियमसन ने 9000 रन पूरे कर इतिहास रच दिया. विलियमसन यह उपलब्धि हासिल करने वाले न्यूजीलैंड के पहले बल्लेबाज बन गए हैं. उन्होंने दूसरी पारी में 26वां रन बनाते ही यह उपलब्धि हासिल की.

9000 रन पूरे करके केन विलियमसन न्यूजीलैंड के टेस्ट क्रिकेट इतिहास में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बन गए हैं. दूसरे नंबर पर रॉस टेलर हैं. उन्होंने 112 टेस्ट मैचों में 44.66 की औसत से 7683 रन बनाए हैं. इसके बाद तीसरे नंबर पर स्टीफन फ्लेमिंग हैं. फ्लेमिंग ने 111 टेस्ट मैचों में 40.06 की औसत से 7172 रन बनाए हैं.

केन विलियमसन ने 182 पारियों में यह ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की.

ऑस्ट्रेलिया को साउथ अफ्रीका ने एक पायदान नीचे धकेला, टीम इंडिया अभी भी नंबर 1

नई दिल्ली (एजेंसी)। वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप की पॉइंट टेबल में ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम को बड़ा नुकसान हुआ है। साउथ अफ्रीका ने टेम्बा बावुमा की कप्तानी में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए श्रीलंका को पहले टेस्ट मैच में 233 रन से बड़े अंतर से हरा दिया। इस मैच में बेहतरीन ऑलराउंडर प्रदर्शन करने वाले मार्को यानसेन को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

इस जीत के साथ ही साउथ अफ्रीका ने वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप की अंकतालिका में ऑस्ट्रेलिया को नीचे धकेल दिया और दूसरे नंबर पर पहुंच गई। साउथ अफ्रीका की इस जीत से भारत को कोई फर्क नहीं पड़ा और अब भी पहले नंबर पर है।

डरबन टेस्ट मैच में साउथ अफ्रीका को मिली जीत के बाद ऑस्ट्रेलिया की टीम को बड़ी निराशा मिली और ये टीम डब्ल्यूटीसीअंकतालिका में तीसरे स्थान पर आ गई। इससे पहले कंगारू टीम दूसरे स्थान पर मौजूद थी। भारत के खिलाप दूसरे टेस्ट मैच से पहले ये ऑस्ट्रेलिया के लिए अच्छी खबर बिल्कुल भी नहीं है। साउथ अफ्रीका ने डब्ल्यूटीसी के 223-25 साइकल में अब तक 9 मैच खेले हैं जिसमें उसे 5 में जीत मिली है जबकि 3 मैचों में हार मिली है और 1 मैच ड्रॉ रहा है। इस

टीम की जीत का प्रतिशत अब 59.260 है।

भारत की बात करें तो इस टीम ने 15 मैचों में 9 मैच जीते हैं जबकि 5 मैच गंवाए हैं और एक मैच ड्रॉ खेला है।

भारत की जीत का प्रतिशत अभी 61.110 है और वो अब भी पहले नंबर पर बरकरार है। वहीं कंगारू टीम ने 13 में से 8 मैच जीते हैं और 4 में उनसे हार मिली है जबकि एक मैच ड्रॉ रहा है और इस टीम की जीत का प्रतिशत 57.690 है। अंकतालिका में इंग्लैंड की टीम चौथे नंबर पर है जबकि श्रीलंका की टीम 5वें नंबर पर है। वहीं पाकिस्तान 7वें नंबर पर है।

एडिलेड टेस्ट से पहले ऑस्ट्रेलिया को लगा बड़ा झटका

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच 6 दिसंबर से पिंक बॉल टेस्ट खेला जाना है. पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का यह दूसरा मैच होगा. इस टेस्ट मैच से पहले ऑस्ट्रेलियाई टीम को बड़ा झटका लगा है. ऑस्ट्रेलिया का सबसे अहम गेंदबाज चोटिल होने की वजह से दूसरे टेस्ट से बाहर हो गया है. क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने एक बयान जारी कर बताया कि तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड चोटिल होने की वजह से एडिलेड में खेला जाने वाला डे-नाइट टेस्ट नहीं खेलेंगे.

ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज जोश हेज़लवुड को लेफ्ट पैर में चोटल लगी है, जिस वजह से वह 6 दिसंबर से एडिलेड में भारत के खिलाफ पिंक बॉल टेस्ट से बाहर हो गए हैं. अपने डेब्यू के बाद से ऐसा पहली बार होगा, जब हेजलवुड घर पर भारत के खिलाफ कोई टेस्ट मैच मिस करेंगे. इसमें कोई संदेह नहीं है कि हेजलवुड के चोटिल होने से ऑस्ट्रेलिया का तेज गेंदबाजी अटैक कमजोर हुआ है.

जोश हेजलवुड की जगह क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने दो नए तेज गेंदबाजों को ऑस्ट्रेलियाई टीम में शामिल किया है. दो अनकैप्ड गेंदबाज सीन एबॉट और ब्रैंडन डोगेट भारत के खिलाफ दूसरे टेस्ट के लिए कंगारू टीम में शामिल किए गए हैं. इन दोनों ने अब तक टेस्ट क्रिकेट में अपना डेब्यू नहीं किया है. हालांकि, एबॉट कोई नए खिलाड़ी नहीं हैं, वह ऑस्ट्रेलिया के लिए 26 वनडे और 20 टी20 इंटरनेशनल मैच खेल चुके हैं.

हेज़लवुड के एडिलेड में न होने से भारत के लिए राह आसान होगी: अजय जडेजा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के पूर्व कप्तान अजय जडेजा का मानना है कि ऑस्ट्रेलिया के तेज़ गेंदबाज़ जोश हेज़लवुड के 6 दिसंबर से एडिलेड ओवल में शुरू होने वाले दूसरे टेस्ट से बाहर होने से रोहित शर्मा की अगुआई वाली टीम के लिए राह आसान होगी।

हेज़लवुड साइड स्ट्रेन के कारण एडिलेड में खेलने से बाहर हो गए हैं, जबकि अनकैप्ड पेसर सीन एबॉट और ब्रेंडन डॉगेट को पिंक-बॉल टेस्ट के लिए टेस्ट टीम में शामिल किया गया है। पेसर ने पर्थ में पहले टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया की भारत से 295 रन की हार में पांच विकेट लिए थे।

जब ऑस्ट्रेलिया ने आखिरी बार 2020 में एडिलेड में पिंक-बॉल टेस्ट में भारत के साथ खेला था, तब हेज़लवुड ने मुख्य रूप से विध्वंसक गेंदबाज़ी की थी, उन्होंने पांच ओवर में 5-8 की घातक गेंदबाजी की थी, जिससे भारत दूसरी पारी में 36 रन पर आउट हो गया था।

जडेजा ने नई दिल्ली में अपने मुख्यालय में फिक्की द्वारा आयोजित 14वें वैश्विक खेल शिखर सम्मेलन टर्फ 2024 के मौके पर कहा, इसके बावजूद (हेज़लवुड ने पांच विकेट लिए), हम (पर्थ में) जीते। इसलिए वह वहां नहीं है, यह केवल आपके लिए आसान बनाता है, जब तक कि आपको कोई नया सितारा न मिल जाए, क्योंकि खेल के साथ यह एक और बात है जिसे आप हमेशा महसूस करेंगे - कि जब तक कोई व्यक्ति उस विशेष दिन मैदान पर नहीं आता है, तब तक वह अज्ञात है। जडेजा ने कहा, लेकिन कभी-कभी प्रतिभाशाली लोगों को भी किसी दिन शुरुआत करनी होती है, इसलिए मुझे उम्मीद है कि उन्हें कोई और प्रतिभाशाली नहीं मिलेगा, अन्यथा यह एक अच्छा

संकेत है। भारत के लिए, एडिलेड में शीर्ष क्रम के बदलाव कार्ड पर हैं क्योंकि कप्तान रोहित शर्मा पितृत्व अवकाश के कारण पर्थ टेस्ट से चूकने के बाद उपलब्ध हैं, जबकि शुभमन गिल ने बाएं अंगूठे की चोट से उबरने के संकेत दिए हैं।

उन्होंने कहा, यह कम से कम कप्तान और कोच के लिए सिरदर्द है। कम से कम, कप्तान अंदर आता है, इसलिए यह उसका सिरदर्द है कि वह किसे बाहर रखता है, जो एक अच्छा सिरदर्द है। मेरा मतलब है कि उन लोगों की तलाश करने के बजाय जो मुझे गेम जिताने जा रहे हैं, अब आपको किसी ऐसे व्यक्ति को बाहर रखना होगा जिसने आपको गेम जिताया है। इसलिए अगर आपके पास कोई है तो यह एक अच्छा सिरदर्द है।

भारत एडिलेड में लगभग दो साल बाद गुलाबी गेंद से टेस्ट मैच खेल रहा है। मेहमानों ने आखिरी बार मार्च 2022 में बेंगलुरु में श्रीलंका के खिलाफ गुलाबी गेंद से मैच खेला था। जीवन की तरह, सब कुछ बदल रहा है। यहां सुबह 10.30 बजे हैं, उज्ज्वल और जागृत हैं और यही यह खेल हुआ करता था - कि यह एक ऐसा खेल था जिसमें आप सुबह उठते थे।

जडेजा ने कहा, अब अचानक आपका पीक टाइम रात 11.30 बजे होना चाहिए, इसलिए यह वह चुनौती है जो उनमें से कुछ के लिए अन्य (ऑन-फील्ड) चुनौतियों के अलावा हो सकती है। लेकिन मुझे लगता है कि हमारी टीम और उनकी तैयारी हमेशा अच्छी रही है और मुझे यकीन है कि वे सभी चुनौतियों को पूरा करेंगे। पिछले हफ्ते जेद्दा में आईपीएल 2025 की मेगा नीलामी में सभी दस फ्रेंचाइजियों द्वारा अफ़गानिस्तान के युवा खिलाड़ियों की मांग में भारी उछाल देखा गया। नूर अहमद (10 करोड़ रुपये), अल्लाह गज़नफ़र (4.8 करोड़ रुपये), अज़मतुल्लाह उमरज़ई (2.8 करोड़ रुपये) और रहमानुल्लाह गुरबाज़ (2 करोड़ रुपये) जैसे खिलाड़ियों ने क्रमशः चेन्नई सुपर किंग्स, मुंबई इंडियंस, पंजाब किंग्स और कोलकाता नाइट राइडर्स से मोटी तनख्वाह अर्जित की।जडेजा, जो 2023 पुरुष वनडे विश्व कप में अफ़गानिस्तान के मेंटर थे, जहां उन्होंने चार ग्रुप स्टेज गेम जीते, वे देश के खिलाड़ियों की प्रतिभा और कौशल को देखकर बहुत खुश थे, जिन्हें फ्रेंचाइजी द्वारा अपनी आईपीएल टीम बनाने में मान्यता दी जा रही थी।मैं उनके साथ समय बिताने के लिए धन्य और सौभाग्यशाली हूँ। वे खिलाड़ियों का एक अद्भुत समूह हैं और मुझे लगता है कि बाज़ार की ताकतों ने इसमें भूमिका निभाई, क्योंकि नीलामी में यह बहुत स्पष्ट है कि यह बाज़ार की ताकतें हैं। इसलिए भारत में खेल को चलाने वाले लोग दुनिया के उस हिस्से के खिलाड़ियों को महत्व दे रहे हैं और यह (मेगा) नीलामी में देखा गया।

आखिर मान गया पाकिस्तान, हाइब्रिड मॉडल से हो सकती है चैंपियंस ट्रॉफी

नई दिल्ली (एजेंसी)। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 को लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है। दरअसल, पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड हाइब्रिड मॉडल के लिए तैयार हो गया है। लेकिन इसकी आधिकारिक घोषणा अभी बाकी है। पीसीबी चैंपियंस ट्रॉफी को लेकर यूएई से बात करेगा। टीम इंडिया के मुकाबले न्यूट्रल वेन्यू पर होने हैं। लिहाजा भारत अपने मैच यूएई में खेल सकता है। चैंपियंस ट्रॉफी को लेकर फाइनल फैसले की जानकारी शनिवार रात या रविवार सुबह तक आधिकारिक रूप से आ सकती है।

दरअसल, चैंपियंस ट्रॉफी को लेकर आईसीसी ने शुक्रवार को एक मीटिंग रखी थी। इसमें भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड और पाकिस्तान बोर्ड के अधिकारी शामिल हुए। लेकिन इस मीटिंग में कुछ फैसला नहीं हुआ तो इसे आगे बढ़ा दिया गया। सूत्रों के मुताबिक पाकिस्तान अब हाइब्रिड मॉडल के लिए तैयार है। लिहाजा टीम इंडिया अपने मैच यूएई में खेल सकते हैं। लेकिन इसकी आधिकारिक घोषणा अभी बाकी है।

पीसीबी और यूएई बोर्ड के बीच चैंपियंस ट्रॉफी के वेन्यू को लेकर बातचीत चल रही है। अगर सबकुछ ठीक रहा तो टीम इंडिया अपने मैच दुबई में खेल सकती है। इसको लेकर आईसीसी शनिवार रात या रविवार सुबह जानकारी दे सकती है। पासीबी इससे पहले हाइब्रिड मॉडल के लिए तैयार नहीं थी। वह चाहती थी कि टीम इंडिया टूर्नामेंट के लिए पाकिस्तान आए। लेकिन भारतीय बोर्ड ने सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए साफ इंकार कर दिया।

ऑक्शन में नहीं बिके हैं ऑस्ट्रेलिया के 25 खिलाड़ी

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2025 का मेगा ऑक्शन 24 और 25 नवंबर को सऊदी अरब के जेद्दा में हुआ था, जिसमें 182 खिलाड़ी बिके. इन सभी को खरीदने के लिए फ्रेंचाइजियों ने 639.15 करोड़ रुपए खर्च किए हैं, जबकि आईपीएल 2024 तक मिचेल स्टार्क सबसे महंगे खिलाड़ी थे. इस बार आईपीएल टीमों ने ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों पर ज्यादा फोकस नहीं किया. आईपीएल मेगा ऑक्शन 2025 में जोश हेजलवुड सबसे महंगे ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी बने. लेकिन इस बार हेजलवुड को सिर्फ 12.50 करोड़ रुपए में खरीदा गया.

इस सीजन में कई बड़े ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी अनसोल्ड रहे. जिसमें डेविड वॉर्नर और स्टीव स्मिथ शामिल हैं. लेकिन सिर्फ डेविड वॉर्नर और स्टीव स्मिथ ही नहीं, बल्कि 25 ऐसे बड़े ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी हैं जो आईपीएल 2025 मेगा ऑक्शन में अनसोल्ड रहे.

जोश हेजलवुड: आईपीएल 2025 मेगा ऑक्शन के लिए जोश हेजलवुड का बेस प्राइस 2 करोड़ रुपये था. स्टार्क को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने 12.50 करोड़ रुपये में खरीदा है.

गमिशेल जॉनसन का सुझाव-खराब फॉर्म में चल रहे मार्नस लाबुशेन को टेस्ट टीम से बाहर किया जाए

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व तेज गेंदबाज मिशेल जॉनसन ने टीम के खराब फॉर्म से जूझ रहे बल्लेबाज मार्नस लाबुशेन को भारत के विरुद्ध आगामी दिन-रात्रि एडिलेड टेस्ट से बाहर करने की सलाह दी है। जॉनसन का मानना है कि लाबुशेन को फॉर्म में वापसी के लिए घरेलू क्रिकेट में खेलने का मौका मिलना चाहिए, ताकि उन्हें दबाव से मुक्त होकर अपनी बल्लेबाजी में सुधार का अवसर मिल सके। लाबुशेन, जो लंबे समय से रन बनाने में संघर्ष कर रहे हैं, ने पर्थ में खेले गए पहले टेस्ट मैच में निराशाजनक प्रदर्शन किया था। पहले टेस्ट की दोनों पारियों में उनका बल्ला शांत रहा था, जिसमें उन्होंने पहली पारी में 52 गेंदों पर सिर्फ 2 रन और दूसरी पारी में 5 गेंदों पर 3 रन बनाए। इस खराब प्रदर्शन के कारण ऑस्ट्रेलिया को 295 रन से हार का सामना करना पड़ा

था। जॉनसन ने कहा, लाबुशेन का प्रदर्शन पिछले कुछ समय से खराब चल रहा है और उन्होंने अपनी आखिरी 10 टेस्ट पारियों में से केवल एक बार ही दहाई अंक को पार किया है। अब उनके लिए घरेलू क्रिकेट में खेलने का वक्त आ गया है, ताकि वह मानसिक रूप से फ्रेश होकर अपनी बल्लेबाजी पर काम कर सकें। जॉनसन का मानना है कि लाबुशेन को शेफील्ड शील्ड जैसे घरेलू टूर्नामेंटों में खेलते हुए बेहतर प्रदर्शन करने का मौका मिलेगा, जो उन्हें टीम में वापसी के लिए तैयार करेगा। उन्होंने यह भी कहा कि टेस्ट क्रिकेट में उनकी निराशाजनक फॉर्म का मतलब यह नहीं है कि उनका भविष्य अधर में लटक गया है, बल्कि इसका मतलब सिर्फ यह है कि उन्हें कुछ समय के लिए आराम की जरूरत है।

इसके अलावा, जॉनसन ने स्टीव स्मिथ की फॉर्म को लेकर भी चिंता जताई।

उन्होंने कहा, स्मिथ की फॉर्म गंभीर चिंता का विषय बन गई है। वह अपनी पुरानी चमक खोते हुए दिख रहे हैं और उनके द्वारा खेले जाने वाले पैड पर आने वाली गेंदों पर उन्होंने पहले जैसी सहजता से रन बनाना बंद कर दिया है। जॉनसन ने यह भी कहा कि स्मिथ को जल्द ही अपनी फॉर्म में सुधार करना होगा, नहीं तो टीम को उनके स्थान पर विकल्प तलाशने की जरूरत पड़ सकती है। आखिरकार, जॉनसन का यह बयान ऑस्ट्रेलिया के आगामी टेस्ट मैचों को लेकर बढ़ती चिंता को दर्शाता है, खासकर उस समय जब टीम को भारतीय गेंदबाजों से चुनौती का सामना करना है।

टीम इंडिया को हुआ नुकसान, मनुका ओवल में बारिश बनी विलेन

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जा रही है. सीरीज का दूसरा टेस्ट डे-नाइट पिंक बॉल टेस्ट होगा. इस मैच की तैयारी के लिए टीम इंडिया को प्राइम मिनिस्टर इलेवन के खिलाफ दो दिवसीय वॉर्म अप मैच खेलना था. वॉर्म अप मुकाबले की शुरुआत आज यानी 30 नवंबर, शनिवार से होनी थी, लेकिन बारिश के चलते पहला दिन बगैर टॉस के ही रद्द हो गया.

मुकाबले का पहला दिन रद्द हो जाना टीम इंडिया के लिए भारी नुकसान साबित हो सकता है. ऐसा इसलिए क्योंकि अब भारतीय टीम को पिंक बॉल टेस्ट की तैयारी के लिए वॉर्म अप मैच में सिर्फ एक ही दिन मिलेगा. मुकाबला मनुका ओवल में होना है, जहां बारिश टीम इंडिया के लिए विलेन बनती हुई नजर आ रही है.

पहला दिन बारिश की भेंट चढ़ने के बाद दूसरे दिन दोनों टीमें 50 ओवर का मैच खेलेंगी यानी दोनों टीमों को दूसरे दिन 50-50 ओवर खेलने हैं. इस तरह से टीम इंडिया को बैटिंग और बॉलिंग दोनों ही डिपार्टमेंट में 50-50 ओवर मिलेंगे. पहला दिन बारिश की भेंट चढ़ने के बाद दूसरे दिन दोनों टीमें 50 ओवर का मैच खेलेंगी यानी दोनों टीमों को दूसरे दिन 50-50 ओवर खेलने हैं. इस तरह से टीम इंडिया को बैटिंग और बॉलिंग दोनों ही डिपार्टमेंट में 50-50 ओवर मिलेंगे.

पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का पहला मुकाबला पर्थ में खेला गया था. पर्थ टेस्ट में टीम इंडिया ने जीत हासिल कर सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली है. भारतीय टीम ने जसप्रीत बुमराह की कप्तानी में पहला टेस्ट 295 रनों से जीता था. जसप्रीत बुमराह सीरीज में टीम इंडिया के उपकप्तान हैं, जबकि रोहित शर्मा नियमित कप्तान हैं. रोहित शर्मा अपने दूसरे बच्चे के जन्म के चलते सीरीज के पहले टेस्ट में नहीं खेल पाए थे, जिसके चलते जसप्रीत बुमराह ने कप्तानी की जिम्मेदारी संभाली थी. बुमराह की कप्तानी में टीम इंडिया ने अच्छा परफॉर्म किया था.

संभागीय सड़क सुरक्षा समिति की हुई बैठक में कमिश्नर ने दिये निर्देश

सोहागी घाटी में दुर्घटना रोकने के उपायों पर करें अमल

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कमिश्नर कार्यालय सभागार में संभागीय सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में कमिश्नर बीएस जामोद ने कहा कि संभाग में फोरलेन सड़कों का विकास होने के साथ दुर्घटनाओं में वृद्धि हुई है। कई घाटियाँ और अंधे मोड़ दुर्घटना के केन्द्र बन गए हैं। इनमें सड़क दुर्घटना रोकने के उपाय तत्काल करें। सोहागी घाटी में आए दिन दुर्घटनाएं होती रहती हैं। जनवरी माह में प्रयागराज में कुंभ मेला आयोजित किया जा रहा है। इस समय घाटी में वाहनों की संख्या कई गुना बढ़ जाएगी। सोहागी घाटी में सड़क दुर्घटना रोकने के उपाय तत्काल करें। फोरलेन में घाटी उतरने वाली सड़क में 30-30 मीटर के अंतर पर रंबल स्पीड ब्रोकर बनाएं। घाटी में कई स्थानों पर चालकों को जागरूक करने के लिए संकेतक और चेतावनी बोर्ड लगाएं। साथ ही टोल प्लाजा में पुलिस अथवा यातायात कर्मी रात 8 बजे से सुबह 8 बजे तक तैनात रखें जो घाटी उतरने वाली गाड़ियों के ड्राइवरों को सचेत करें।

कमिश्नर ने कहा कि सतना जिले की बगदरा घाटी, रीवा और सीधी के बीच स्थित छुहिया घाटी तथा बरदहा घाटी में पर्याप्त संकेतक लगाएं। इन घाटियों में 15 दिन की समय सीमा में सड़कों में सुधार कराएं। यातायात नियमों का पालन करने के लिए संभाग के सभी जिलों में लगातार जागरूकता अभियान चलाएं। केवल जुर्माने की कार्यवाही से दुर्घटनाओं पर रोक नहीं लगेगी। बैठक में आईजी महेन्द्र सिंह सिकरवार ने कहा कि सभी स्कूली बसों में सुरक्षा प्रबंधों की नियमित जाँच करें। पुलिस, यातायात विभाग तथा नगरीय निकाय मिलकर शहर की सड़कों से अतिक्रमण हटाने एवं यातायात व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रयास करें। बैठक में डीआईजी साकेत प्रकाश पाण्डेय ने कहा कि ग्रामीण सड़कें जिन स्थानों पर हाईवे से मिलती हैं उनमें 10 मीटर पहले स्पीड ब्रोकर अनिवार्य रूप से बनाएं। प्रयागराज में कुंभ मेले के दौरान बड़ी संख्या में वाहन रीवा जिले से गुजरेंगे। वाहनों का दबाव मेला क्षेत्र में होने पर चाकघाट में वाहनों को रोकने के लिए वैकल्पिक व्यवस्था भी करनी होगी। बैठक में क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी मनीष त्रिपाठी ने गत बैठक में दिए गए निर्देशों का पालन प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। त्रिपाठी ने बताया कि संभाग भर में 1978 वाहनों पर चालानी कार्यवाही की गई। किराया सूची न होने पर 148 बसों पर जुर्माना लगाया गया। जीपीएस तथा पेनिक बटन न होने पर 112 स्कूल बसों पर जुर्माना लगाया गया। इनमें से 25 बसें जब्त की गईं। बैठक में एमपीआरडीसी के संभागीय प्रबंधक उमेश सिंह ने बताया कि सोहागी घाटी में सुधार के लिए 18 करोड़ रुपए का प्रस्ताव भेजा गया है। बरदहा घाटी को भी टू लेन बनाने तथा तीखे मोड़ समाप्त करने का कार्य मंजूर हो गया है। बैठक में रोड सेफ्टी ऑडिट, ड्राइवरों के स्वास्थ्य परीक्षण तथा सड़कों के सुधार के संबंध में निर्देश दिए गए। बैठक में अपर कमिश्नर अरूण परमार, संभाग के सभी जिलों के कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी तथा परिवहन अधिकारी उपस्थित रहे।

समूह नलजल योजनाओं का कार्य 31 मार्च तक पूरा कराएं - कमिश्नर

पेयजल पाइपलाइन बिछाकर उस पर स्थाई संकेतक लगाएं - कमिश्नर

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कमिश्नर कार्यालय सभागार में आयोजित बैठक में कमिश्नर बीएस जामोद ने नलजल योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। कमिश्नर ने कहा कि जल जीवन मिशन से स्वीकृत समूह नलजल योजनाओं का कार्य पूरा होने पर संभाग के हर गांव में नल से पानी की सुविधा उपलब्ध हो जाएगी। सभी समूह नलजल योजनाओं का निर्माण कार्य 31 मार्च तक अनिवार्य रूप से पूरा कराकर आगामी गर्मियों में गांवों में पानी की आपूर्ति सुनिश्चित करें। निर्धारित लक्ष्य के अनुसार सभी पूर्ण नलजल योजनाओं से 31 दिसम्बर तक शत-प्रतिशत घरों में नल कनेक्शन देकर प्रमाण पत्र प्रस्तुत करें। नलजल योजनाओं के निर्माण में लापरवाही बरतने वाली निर्माण एजेंसियों पर कड़ी दण्डात्मक कार्यवाही करें। शासन की सबसे महत्वाकां योजनाओं में से एक जल जीवन मिशन के कार्यों में किसी भी तरह की लापरवाही सहन नहीं की जाएगी।

कमिश्नर ने कहा कि सभी कलेक्टर साप्ताहिक बैठक में नलजल योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करें। ग्रामीण क्षेत्र में नलजल योजनाओं के लिए बड़े पैमाने पर पाइपलाइन बिछाने तथा टंकी निर्माण के कार्य किए जा रहे हैं। इनके लिए आवश्यक भूमि भी निर्माण एजेंसी को उपलब्ध कराएं। ग्रामीण क्षेत्र में जहाँ पेयजल की पाइपलाइन बिछाई जा रही है उसके ऊपर निर्धारित अंतराल पर पक्के संकेतक लगाएं। जिससे भविष्य में होने वाले निर्माण कार्यों से पाइपलाइन को किसी तरह की क्षति न हो। सभी स्कूलों और आंगनवाड़ी केन्द्रों में भी नल के कनेक्शन अनिवार्य रूप से दें। पीएचई विभाग द्वारा निर्मित जो नलजल योजनाएं पूरी हो गई हैं उन्हें जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी ग्राम पंचायतों को हैण्डओवर कराएं। जिन गांवों में पानी की नियमित आपूर्ति की जा रही है उनमें ग्राम जिला स्वस्छता समिति अथवा स्वसहायता समूह के सहयोग से जल कर की वसूली भी कराएं।

बैठक में अधीक्षण यंत्री पीएचई जेएस धुर्वे ने बताया कि संभाग की सभी समूह नलजल योजनाओं का कार्य 31 मार्च 2025 तक पूरा कराने के प्रयास किए जा रहे हैं। रीवा बाणसागर, टमस योजना, सतना बाणसागर योजना, सीधी बाणसागर योजना का निर्माण कार्य जून तक पूरा होने की संभावना है। जल शोधन संयंत्र और पाइपलाइन का निर्माण कार्य पूरा हो गया तो अप्रैल माह से घरों में कनेक्शन देकर पानी की आपूर्ति की जा सकेगी। टंकियों का निर्माण कार्य तेजी से किया जा रहा है। रीवा में कंदैला समूह नलजल योजना से 104 गांवों में तथा सतना बाणसागर समूह नलजल योजना से मैहर जिले में 117 गांवों में पानी की आपूर्ति की जा रही है। जनवरी माह तक लगभग 400 गांवों में पानी की आपूर्ति शुरू हो जाएगी। बैठक में अपर कमिश्नर अरूण परमार, संभाग के सभी जिलों के कलेक्टर, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी, कार्यपालन यंत्री रीवा संजय पाण्डेय, कार्यपालन यंत्री सतना शरद सिंह, जल जीवन मिशन के जिला प्रबंधक चित्रांशु तथा जल निगम के अन्य अधिकारी और निर्माण कार्यों से जुड़े अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

साहब अब तो बता दें कौन है सब का जिम्मेदार?

अपराधियों को आजादी देती पुलिस, थानों के अंदर ही बन रहा मैनेजमेंट

लूट, नशीली सिरप की बिक्री, हत्या का भी तय है रेट, सभी अपराधों पर हो रही सांठ-गांठ

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मध्य प्रदेश में सरकार बनने के साथ ही सूबे की कानून व्यवस्था को सुव्यवस्थित करने के लिहाज से मुख्य मंत्री ने गृह विभाग यानी पुलिसिया कानून व्यवस्था की जिम्मेदारी अपने हाथों में ले ली थी जिससे प्रदेश भर में लगातार बढ़ रही आपराधिक घटनाओं पर अंकुश लगाया जा सके मगर जब से नवीन सरकार का गठन हुआ है तब से ही समूचे प्रदेश में आपराधिक घटनाओं में इजाफा होता जा रहा है तथा रीवा जिले में तो हर एक दिन बंदूक से फायरिंग या चाकूबाजी की घटनाएं सामने आ रही हैं और पुलिस विभाग अपराध पर लगाम लगाने की बजाय आपसी सांठ गांठ में व्यस्त रहता है। आलम यह है कि अपराधों को लेकर थानों के भीतर ही मैनेजमेंट सिस्टम बैठाया जाने लगा है जिससे थाने में तैनात कर्मचारी अपराध दर अपराध बोली लगाते हुए अपराधियों को संरक्षण देते हैं। और इधर कर्मचारियों के मैनेजमेंट सिस्टम में साहब अपनी शरण दे देते हैं जिससे किसी भी तरह के अपराध में लगी सही बोली अपराधियों को आजादी तक पहुंचा देती है तथा विभाग के कर्मचारियों की रोटी में भी वृद्धि हो जाती है।

दरअसल रीवा जिले में इन दिनों बदमाशों के हौसले उड़ान भर रहे हैं और इसका सीधा सा जो कारण निकलकर सामने आया है वह यह कि अगर उन्हें किसी भी मामले में पुलिस गिरफ्तार करती है तो साहब से उनका मैनेजमेंट होना तय है और मैनेजमेंट भी ऐसा बनेगा कि किसी को कानों कान खबर तक नहीं लगेगी जैसा कि आमतौर पर पुलिस विभाग से यह कारनामे सामने आते रहते हैं। अभी हाल ही में जिले के एक थाने से मैनेजमेंट का किस्सा भी उजागर हुआ था जहां फोर व्हीलर वाहन को जबरन पकड़कर उसे कोरेक्स के केस में फंसाने की कोशिश की गई मगर वाहन मालिक पहुंचा हुआ फकीर निकला जिससे पुलिस के साहब लोगों की दाल नहीं गल पाई और अंततः उसे मुफ्त में ही रिहा करना पड़ गया ऐसे ही अन्य थानों से भी मामले हर रोज सुर्खियों बटोरते रहते हैं जहां बेगुनाहों से ही साहब लोग सेटिंग करने में जुट जाते हैं ऐसे में गुनाहगार का फ्री में छूटना तो नामुमकिन ही है।

बताया जा रहा है कि जिले में इन दिनों कोरेक्स यानी नशीली कफ सिरप का क्रेज बढ़ा है तथा अवैध बिक्री कराने साहब लोग बड़ा जबरदस्त मैनेजमेंट बनाकर रखे हुए हैं जिससे उनकी सह में संरक्षित अपराधी और गुंडे टाइप के लोग कोरेक्स कफ सिरप की धड़ल्ले से बिक्री कर रहे हैं और जब साहब लोगों को अपना रेट बढ़ाना होता है तो जल्दी जल्दी दो चार कार्यवाहियां दिखाकर फिर विक्रय कर रहे अपराधियों में खौफ पैदा करते हुए अपने दाम में इजाफा कर लेते हैं वहीं पुलिस के कुछ कर्मचारी जो कार्यवाही करने जाते हैं तो उन्हीं में से कुछ ऐसे कर्मचारी होते हैं जो लेन देन विभाग का जिम्मा अपने कंधे पर लिए हुए उन्हीं पकड़े गए आरोपियों के दाम को फिक्स कराते हैं और ऐसे में सारा विभाग सांठ गांठ की कड़ी से जुड़ा रहता है।

जानकारी के मुताबिक अभी हाल ही एक थानेदार साहब ने सड़क हादसे में भी अपना मैनेजमेंट सिस्टम लागू कर दिया था तथा सड़क हादसे में मृत लोगों का पक्ष रखते हुए उनकी तरफ से वाहन मालिक से 5 लाख रुपए रिश्वत की डिमांड करते हुए वाहन मालिक को आजादी का लाइसेंस देने का असफल प्रयास किया था। अब सवाल यह उठता है कि कानून व्यवस्था बनाने की जो जिम्मेदारी इस विभाग को मिली है वह सांठ गांठ से कैसे सुव्यवस्थित बनेगी और इन सबका असली जिम्मेदार कौन होगा!

एड्स जागरूकता रैली को दिखाई गई हरी झण्डी

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। एचआईव्ही एड्स के प्रति जागरूकता पैदा करने तथा एड्स के साथ जी रहे व्यक्तियों के प्रति सामाजिक भेदभाव और भ्रांतियों को दूर करने के उद्देश्य से एड्स जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। जिला चिकित्सालय में सीएमएचओ डॉ संजीव शुक्ला, सिविल सर्जन डॉ एमएल गुप्ता एवं जिला स्वास्थ्य अधिकारी आरबी चौधरी ने रैली को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। यह रैली शहर में बिछिया, एसएएफ चौराहा, गुढ़ चौराहा, धोबिया टंकी, प्रकाश चौराहा होते हुए रानी तालाब ने काली माता मंदिर के पास संपन्न हुई। रैली में टीडी नर्सिंग कालेज, लार्ड बुद्धा नर्सिंग कालेज तथा सौदामिनी नर्सिंग कालेज की छात्राओं एवं अध्यापकों ने भाग लिया। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने अपील की कि दो दिसम्बर को आयोजित होने वाले वृहद रक्तदान शिविर में बढ़चढ़ कर रक्तदान करें।

कमिश्नर कार्यालय सभागार में आयोजित बैठक में वन व्यवस्थापन पर चर्चा की गई

विकास कार्यों में आवश्यक अनुमति मिलने पर ही वन भूमि का उपयोग करें

वन व्यवस्थापन से ही राजस्व-वन भूमि सीमा विवाद समाप्त होंगे - मुख्य वन संरक्षक

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कमिश्नर कार्यालय सभागार में आयोजित बैठक में वन व्यवस्थापन पर चर्चा की गई। बैठक में कमिश्नर बीएस जामोद ने कहा कि संभाग के सभी जिलों में अधोसंरचना विकास के कई बड़े निर्माण कार्य किए जा रहे हैं। आवश्यक होने पर निर्माण कार्य में वन भूमि का उपयोग भी आवश्यक अनुमति के बाद किया जा रहा है। निर्माण कार्यों से जुड़े अधिकारी निर्धारित प्रक्रिया का पालन करते हुए वन भूमि में निर्माण कार्य के लिए समय पर आवेदन करें। वन विभाग के अधिकारी भी इनका सहयोग करते हुए समय पर अनुमति प्रदान करें जिससे विकास कार्य में किसी तरह की बाधा न आए। हाल ही में सिंगरौली जिले में रेलवे लाइन निर्माण में वन भूमि के उपयोग पर रीवा जिले में 142 हेक्टेयर जमीन वन विभाग को दी गई है। निर्माण कार्यों में वन भूमि का वहीं उपयोग किया जा रहा है जहाँ अति आवश्यक होगा। राजस्व तथा वन विभाग के अधिकारी समन्वय से वन व्यवस्थापन की कार्यवाही करें। इसके लिए एसडीएम स्तर तक लगातार बैठकें आयोजित करनी होंगी। वन विभाग सभी एसडीएम को वन व्यवस्थापन से जुड़े अभिलेख उपलब्ध करा दें। इन पर मौके पर जाकर वन और राजस्व अधिकारी संयुक्त रूप से निरीक्षण करके अंतिम रूप से सीमा का निर्धारण करेंगे। वन-राजस्व भूमि सीमा विवाद समाप्त करने का यही अंतिम उपाय है।

बैठक में मुख्य वन संरक्षक राजेश राय ने कहा कि रीवा संभाग के सभी 6 जिलों में 538 वन खण्ड हैं। इनमें रीवा और मऊगंज जिले में 42, सतना और मैहर जिले में 88, सीधी जिले में 294 तथा सिंगरौली जिले में 114 वन खण्ड हैं। इनमें तीन लाख 74 हजार 956 हेक्टेयर वन भूमि है। वन व्यवस्थापन 1927 और 1937 में किया गया। मध्यप्रदेश के गठन के बाद 1967 में वन क्षेत्र घोषित करने के लिए धारा 4 में अधिसूचना जारी की गई। लेकिन धारा 5 से 19 तक की कार्यवाही पूरी न होने के कारण वन व्यवस्थापन अंतिम रूप से नहीं हो सका। शासन द्वारा एसडीएम को वन व्यवस्थापन अधिकारी बनाया गया है। उन्हें वन विभाग आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध कराएगा। वन और राजस्व विभाग के अधिकारी मिलकर वन व्यवस्थापन का प्रयास करें। वन व्यवस्थापन से ही राजस्व और वन भूमि सीमा विवाद का निराकरण होगा। विकास कार्यों के लिए वनाधिकार अधिनियम के तहत एक हेक्टेयर तक वन भूमि में निर्माण कार्यों की अनुमति वन मण्डलाधिकारी जारी करते हैं। इससे अधिक भूमि होने पर परिवेश पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन करने पर ऑनलाइन ही अनुमति प्राप्त होती है।

वन विभाग के अधिकारी किसी भी तरह की कठिनाई आने पर पूरा सहयोग करेंगे। बैठक में सोन घड़ियाल अभ्यारण्य में प्रस्तावित उद्वहन सिंचाई परियोजना, बगदरा अभ्यारण्य से बिजली की लाइन की परियोजना तथा अन्य परियोजनाओं पर चर्चा की गई। बैठक में अपर कमिश्नर अरूण परमार, संभाग के सभी जिलों के कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी, वन मण्डलाधिकारी तथा निर्माण कार्यों से जुड़े अधिकारी उपस्थित रहे।

वृहद रक्तदान शिविर आज, कमिश्नर ने की अपील

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कृष्णा राजकपूर आडिटोरियम में 2 दिसम्बर को सुबह 10.30 बजे से वृहद रक्तदान शिविर का आयोजित किया जा रहा है। रीवा संभाग के कमिश्नर बीएस जामोद ने आमजनता से शिविर में स्वेच्छा से रक्तदान करने की अपील की है। कमिश्नर ने कहा है कि 18 से 50 वर्ष की आयु के सभी व्यक्ति प्रत्येक 3 माह में रक्तदान कर सकते हैं। आपके द्वारा दिया गया रक्त किसी व्यक्ति के प्राण बचाने के काम आयेगा। हर व्यक्ति स्वयं रक्तदान करके शिविर को सफल बनाने में सहयोग प्रदान करें। साथ ही अन्य लोगों के लिये प्रेरित करें। रक्तदान करने से हमारे शरीर को कोई नुकसान नहीं होता है। रक्तदान शिविर के लिये सामाजिक संगठन तथा स्वयंसेवी संस्थाओं की भी महत्वपूर्ण भागीदारी निभायें। जिले में नियमित अंतराल से रक्तदान शिविर आयोजित किये जा रहे हैं, जिससे ब्लड बैंक में पर्याप्त मात्रा में रक्त उपलब्ध रहे। कई बार समय पर रक्त प्राप्त न होने से गंभीर रोगियों के प्राण संकट में पड़ जाते हैं। शरीर से जितना रक्त बाहर निकलता है उसका निर्माण कुछ ही दिनों में पुनः हो जाता है। प्रत्येक स्वस्थ व्यक्ति 45 दिनों के अंतराल से नियमित अंतराल कर सकता है। जब हम रक्तदान करते हैं तो हमारे शरीर में नए रक्त का निर्माण होता है। आपके द्वारा किये गये स्वैच्छिक रक्तदान का उपयोग गंभीर रोगियों के प्राण बचाने में किया जायेगा।

समर्थन मूल्य पर धान का उपार्जन आज से होगा शुरू

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य देने के लिए निर्धारित समर्थन मूल्य पर धान का उपार्जन दो दिसम्बर से शुरू किया जा रहा है। धान उपार्जन की अंतिम तिथि 20 जनवरी 2025 निर्धारित की गई है। इस संबंध में प्रभारी कलेक्टर डॉ. सौरभ सोनवड़े बताया कि समर्थन मूल्य पर धान खरीदी के लिए 78 केन्द्र स्थापित कर दिए गए हैं। जिले में 64243 किसानों ने समर्थन मूल्य पर धान खरीदी के लिए पंजीयन कराया है। इनका सत्यापन किया जा चुका है। धान उपार्जन के लिए तहसील गुढ़ में 6, जवा में 5, त्योंथर में 19, मनगवां में 10, रायपुर कर्चुलियान में 7, सेमरिया में 8, सिरमौर में 10, तहसील हुजूर में 15 खरीदी केन्द्र बनाए गए हैं। अधिकांश गोदाम में ही खरीदी केन्द्र बनाए गए हैं जिससे उपार्जित धान का तत्काल भण्डारण हो सके। प्रभारी कलेक्टर ने बताया कि एफएक्यू धान के लिए 2300 रुपए प्रति क्विंटल समर्थन मूल्य निर्धारित किया गया है। धान खरीदी के लिए सभी खरीदी केन्द्रों में तौल कांटे एवं बारदाने उपलब्ध करा दिए गए हैं। जिले में सहकारी समितियों के माध्यम से धान का उपार्जन किया जाएगा। पंजीकृत किसान अपनी धान बेचने के लिए रजिस्टर्ड मोबाइल नम्बर से अथवा एमपी ऑनलाइन कियोस्क सेंटर से दिनांक और समय का निर्धारण करके स्लॉट बुक कर सकते हैं। स्लॉट बुकिंग की सुविधा आरंभ हो गई है। धान का उपार्जन करने के लिए खरीदी केन्द्र आते समय किसान असुविधा से बचने के लिए अपने पंजीयन की रसीद, स्लॉट बुकिंग पावती, आधार कार्ड और पंजीकृत मोबाइल अपने साथ रखें। उपार्जन केन्द्र प्रभारी तथा किसान द्वारा बायोमेट्रिक अथवा ओटीपी सत्यापन के बाद ही खरीदी की पावती जारी होगी। इसे किसान अपने पास सुरक्षित रखें। प्रभारी कलेक्टर ने जिला आपूर्ति अधिकारी, जिला प्रबंधक नागरिक आपूर्ति निगम तथा महाप्रबंधक जिला सहकारी बैंक को सभी खरीदी केन्द्रों में उपार्जन के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

उप मुख्यमंत्री ने सफल विदेश यात्रा पर मुख्यमंत्री को दी बधाई

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने मुख्यमंत्री निवास पहुंचकर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से सौजन्य भेंट की और उनके सफल ब्रिटेन एवं जर्मनी दौरे के लिए बधाई दी। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव का यह दौरा प्रदेश में निवेश आकर्षित करने और मध्यप्रदेश को वैश्विक निवेश मानचित्र पर स्थापित करने की दिशा में अत्यंत महत्वपूर्ण साबित हुआ है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में प्रदेश सरकार ने निवेशकों को आकर्षित करने के लिए भूमि, बिजली और कर संबंधी सुविधाएं दी हैं। मेडिकल डिवाइस पार्क, स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट्स और उद्योग हब विकसित किए हैं। हर क्षेत्र के विकास के लिए वहां की विशेषताओं और क्षमता का पूरा उपयोग करने की रणनीति बनाई है। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने विश्वास जताया कि यह यात्रा मध्यप्रदेश में निवेश का नया युग शुरू करेगी। यह प्रदेश के "अद्वितीय विकास यात्रा" में मील का पत्थर साबित होगी।

टीआरएस कॉलेज के छात्रों के लिए कराया गया चित्रकूट में अध्ययन भ्रमण

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। टीआरएस कॉलेज के समाज कार्य विभाग और युवक रेड क्रॉस इकाई द्वारा आईक्यूएसी फ्लैगशिप स्कीम "चेतना" के अंतर्गत छात्रों के लिए चित्रकूट में अध्ययन भ्रमण आयोजित किया गया। चित्रकूट पहुंचकर सर्वप्रथम छात्रों ने कामतानाथ स्वामी के दर्शन किए तथा आशीर्वाद प्राप्त किया। यह भ्रमण कॉलेज की प्राचार्य डॉ. अर्पिता अवस्थी के निर्देशन और समाज कार्य विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अखिलेश शुक्ल के संयोजन में संपन्न हुआ। भ्रमण में मुख्य रूप से छात्रों ने ग्रामोदय विश्वविद्यालय के मानविकी सामाजिक विज्ञान विभाग के अंतर्गत संचालित समाज कार्य विभाग की गतिविधियों को समझने का प्रयास किया। भ्रमण का मुख्य उद्देश्य छात्रों को समाज सेवा, ग्रामीण विकास और सामाजिक कार्यों के वास्तविक परिप्रेक्ष्य से परिचित कराना था। इस दौरान छात्रों ने ग्रामोदय विश्वविद्यालय के समाज कार्य विभाग की कार्यशैली और वहां किए जा रहे सामाजिक कार्यक्रमों का अवलोकन किया। छात्रों को ग्रामीण जीवन, सामाजिक समस्याओं, और उनके समाधान के बारे में गहरी जानकारी मिली, जिससे वे समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी को बेहतर ढंग से समझ सके। अध्ययन भ्रमण के दौरान ग्रामोदय विश्वविद्यालय के डॉ. अजय आर. चौरे एवं डॉ सूर्य प्रकाश शुक्ला का मार्गदर्शन छात्रों को प्राप्त हुआ। छात्रों ने राम दरबार, रामघाट, स्फटिक शिला, आरोग्यधाम आदि स्थानों का भ्रमण कर सामाजिक एवं धार्मिक तथ्यों को समझने का प्रयास किया। डॉ. अखिलेश शुक्ल ने बताया कि यह भ्रमण छात्रों के लिए एक प्रेरणादायक अनुभव था, जिसमें उन्होंने समाज सेवा के महत्व को समझा और साथ ही समाज के विभिन्न मुद्दों पर विचार-विमर्श किया। इस अध्ययन भ्रमण ने छात्रों को समाज में बदलाव लाने के लिए प्रेरित किया और उन्हें अपने क्षेत्र में सकारात्मक योगदान देने की दिशा में एक नया दृष्टिकोण प्रदान किया।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक/प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया ऑडीटर पब्लिकेशन प्रा.लिमि. राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से प्रकाशित, **संपादक संदीप द्विवेदी**, आर.एन.आई नं. 69082/97, डाक पंजीयन क्र.- म. प्र./ रीवा संभाग/ 46/2023-2025, प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9589645803, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।